फाल्गुन कृष्ण पक्ष - 11, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 220 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
13 फरवरी 2026 शुक्रवार

आज का मौसम
28.8 अधिकतम
14.2 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

न्यूज विंडो

हाथियों ने 6 लोगों को कुचलकर मार डाला

चुरचू (हजारीबाग)। चुरचू प्रखंड के गोंदवार गांव में गुरुवारदेर रात हाथियों के हमले से 6 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में एक ही परिवार के चार सदस्य शामिल हैं। घटना रात लगभग एक से दो बजे के बीच की बताई जा रही है। इस हृदयविदारक घटना के बाद गांव में मातम और दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार, पांच हाथियों का झुंड अचानक गांव में घुस आया। अधिकांश लोग गहरी नींद में थे। हाथियों ने कच्चे मकानों को क्षतिग्रस्त कर दिया और बाहर निकल रहे लोगों को अपनी चपेट में ले लिया।

सत्याग्रह एक्सप्रेस की बोगी में लटका मिला शव

रक्सौल (पूर्वी चंपारण)। आनंद विहार से रक्सौल पहुंची सत्याग्रह एक्सप्रेस के स्लीपर कोच संख्या-5 की बर्थ 57 पर एक 35 वर्षीय युवक ने लोहे की जंजीर से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। ट्रेन रात्रि करीब 11 बजे वाशिंग पिट पहुंची, जहां ऑन ड्यूटी रेलकर्मियों की नजर युवक पर पड़ी। इसकी सूचना तत्काल आरपीएफ और रेल पुलिस को दी गई। इसके बाद शव को कोच से नीचे उतारा गया। मृत युवक की अब तक पहचान नहीं हो सकी है।

बनारस कचहरी को बम से उड़ाने की धमकी का मेल

वाराणसी। जिले में उस समय हड़कंप मच गया जब जिला जज के ई-मेल पर कचहरी को बम से उड़ाने की धमकी मिली। रात 1.30 बजे ई-मेल पर धमकी भरा मैसेज आने की जानकारी मिली है। जिला जज को ई-मेल पर मिली धमकी के बाद कचहरी की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। डीसीपी वरुणा प्रमोद कुमार और कैंट इंस्पेक्टर शिवाकांत मिश्रा फोर्स और बम निरोधक दस्ते के साथ कचहरी में चेकिंग अभियान चला रहे हैं। वहीं, अधिवक्ताओं ने भी अपने स्तर से चैंबर और संदिग्ध सामानों की जांच शुरू कर दी है।

इमरान खान की एक आंख की 85% रोशनी गई

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की एक आंख की करीब 85% रोशनी चली गई है। यह खुलासा पाकिस्तानी सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर हुई जांच में हुआ है।सुप्रीम कोर्ट की तरफ से नियुक्त वकील सलमान सफदर ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि इमरान खान जेल प्रशासन से कई महीनों आंखों में धुंधलापन होने की शिकायत कर रहे थे। अक्टूबर 2025 तक उनकी नजर सामान्य थी, लेकिन बाद में दाईं आंख की रोशनी अचानक चली गई।जांच के दौरान पिम्स अस्पताल के एक आई एक्सपर्ट को बुलाया गया। डॉक्टरों ने पाया कि उनकी आंख में खून का थक्का जम गया था, जिससे गंभीर नुकसान हुआ।

विक्रम भट्ट और पत्नी को ठगी मामले में जमानत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने धोखाधड़ी के मामले में फिल्ममेकर विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी श्वेतांबरी भट्ट को दी जमानत दे दी है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने उन्हें उदयपुर जेल से तुरंत रिहा करने का आदेश दिया और चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट से नियम और शर्तों को बताते हुए जमानत का आदेश पास करने को कहा। दोनों पर आरोप है कि उन्होंने फिल्म प्रोजेक्ट के नाम पर लिए गए फंड का गलत इस्तेमाल किया गया।

आज का कार्टून

अमेरिका- ब्रिटेन ने किया था जमात ए इस्लामी का सपोर्ट, जनता ने नकारा

बांग्लादेश में कट्टरपंथ की करारी हार तारिक रहमान की ताजपोशी का रास्ता साफ

35 साल बाद किसी पुरुष को मिलेगी प्रधानमंत्री की कुर्सी

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश में जिस जमात-ए-इस्लामी को अमेरिका ने अपना सीधा समर्थन दिया था, वह बुरी तरह से हार गई है। जमात को छात्र नेताओं का समर्थन हासिल था और मोहम्मद यूनुस की मशीनरी पूरा साथ दे रही थी। फिर भी यह कट्टरपंथी पार्टी बुरी तरह हार गई। अब 17 साल तक निर्वासित जीवन जीने वाले तारिक रहमान का प्रधानमंत्री बनना तय हो गया है। जमात की हार और बीएनपी की जीत का मतलब है कि देश ने कट्टरपंथी विचारधारा को खारिज कर दिया है और मुख्यधारा की पार्टी को ही लोग, देश का भविष्य मान रहे हैं। इससे माना शेख हसीना के लिए बांग्लादेश में वापसी का रास्ता बचा हुआ है और आगे जाकर अवामी लीग, एक बार फिर से मुख्यधारा में लौट सकती है।

जमात ए इस्लामी ने अगस्त 2024 में शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद खूब हाथ पैर मारे थे। मोहम्मद यूनुस ने आतंकवादी घटनाओं में शामिल रहे जमात के तमाम बड़े नेताओं को जेल से रिहा कर दिया था। अमेरिकी अधिकारियों ने खुलकर जमात के नेताओं से मुलाकात की। मुस्लिम उम्माह ने भी जमात को विदेशों से फंड पहुंचाया, बावजूद इसके जमात हार गई। जियो-पॉलिटिकल एक्सपर्ट इसे कट्टरपंथ के खिलाफ जनादेश मान रहे हैं।

मुख्यधारा की पार्टी में भरोसा

अवामी लीग को चुनाव लड़ने की इजाजत नहीं दी गई थी। ऐसे में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानि BNP ही एकमात्र मुख्यधारा की पार्टी थी। उसे को बंपर जीत मिलने का मतलब है कि मुख्यधारा की पार्टी पर ही लोगों को भरोसा है। मध्यमार्गी विचारधारा पर ही देश को विश्वास है। बीएनपी को 300 संसदीय सीटों में से 200 से ज्यादा सीटें मिलती दिख रही हैं। महिला वोटर्स ने जमात-ए-इस्लामी के खिलाफ खुलकर मतदान किया है। महिला वोटरों के वोटिंग के हिसाब से लग रहा है उन्होंने जमात को सत्ता से दूर रहने के लिए वोट डाला था। इस चुनाव में पश्चिमी देशों की सरकारों और इंटरनेशन एनजीओ के ग्रुप ख़ास टूर से एक्टिव थे। लेकिन उनकी तमाम कोशिशों के बावजूद मोहम्मद यूनुस अब बेमतलब हो गये हैं। हालांकि अभी तक पता नहीं चल पाया है कि उनके 'जुलाई चार्टर रेफरेंडम' को कितना समर्थन मिला है, लेकिन अमेरिका और ब्रिटेन के गठबंधन ने यूनुस और जमात को जो पूरा समर्थन दिया था, उसका असर नहीं हुआ।

तारिक से भारत की बातचीत

बांग्लादेश की राजनीति में भारत को शुरूआती झटके लगे थे। लेकिन तारिक रहमान के साथ भारत ने शुरूआती बातचीत की है। उनकी मां, बेगम खालिजा जिया के निधन के बाद भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ढाका गये थे और प्रधानमंत्री मोदी ने भी खालिदा जिया को लेकर ट्वीट किए थे। ऐसे में दिल्ली के लिए ढाका में अगली सरकार के साथ एक स्थिर संबंध बन सकते हैं।

कुल सीटें -299
बीएनपी - 209
जमात गठबंधन - 70

भारत के साथ रिश्तों में बड़े बदलाव की संभावना

चुनाव से ठीक पहले करीब 17 साल के निर्वासन के बाद तारिक रहमान अपने देश लौटे हैं और अब प्रधानमंत्री बनने की राह पर हैं। यह बदलाव भारत-बांग्लादेश संबंधों को गहराई से प्रभावित करेगा। हसीना सरकार के दौरान दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी मजबूत थी। सीमा सुरक्षा, आतंकवाद विरोधी सहयोग, व्यापार और ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग बढ़ा था। अब बीएनपी की जीत के बाद भारत के रिश्तों में व्यापक बदलाव आ सकता है। बीएनपी का नारा 'फ्रेंड येस, मास्टर नो' है, यानी भारत से दोस्ती तो रहेगी, लेकिन बांग्लादेश किसी एक ताकत का वर्चस्व स्वीकार नहीं करेगा।भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता सीमा सुरक्षा और आतंकवाद है. अतीत में बीएनपी की सरकारों पर भारत-विरोधी उग्रवादियों को शरण देने का आरोप लगा था। अब खुफिया जानकारी साझा करने और सीमा पर घुसपैठ रोकने की मजबूत व्यवस्था दोनों देशों के बीच विशवास बढ़ाने की पहली शर्त होगी। हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा भी महत्वपूर्ण मुद्दा है।

बांग्लादेश के साथ खड़ा रहेगा भारत - मोदी

बांग्लादेश में तारिक रहमान को मिली प्रंचड जीत के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने जीत की बधाई देते हुए अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मैं बांग्लादेश में पार्लियामेंट्री चुनावों में बीएनपी को बड़ी जीत दिलाने के लिए मिस्टर तारिक रहमान को दिल से बधाई देता हूं। यह जीत बांग्लादेश के लोगों का आपके लीडरशिप पर भरोसा दिखाती है। भारत एक डेमोक्रेटिक, प्रोग्रेसिव और सबको साथ लेकर चलने वाले बांग्लादेश के सपोर्ट में खड़ा रहेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया उद्घाटन

साउथ ब्लॉक अब तीर्थ भवन परिसर

नईदिल्ली, एजेंसी

दशकों तक केंद्रीय सरकार के अहम फैसलों का गवाह रहा साउथ ब्लॉक अब इतिहास बनने जा रहा है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नए सरकारी कार्यालयों के एरिया 'तीर्थ भवन परिसर' का अनावरण कर रहे हैं। इस एरिया में प्रधानमंत्री कार्यालय, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय और कैबिनेट सचिवालय स्थित हैं, जो पहले अलग-अलग भवनों में थे। इसके साथ ही सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवन-1 तथा कर्तव्य भवन-2 का भी औपचारिक उद्घाटन होगा। शाम को सेवा तीर्थ में एक जनसभा भी रखी गई है जिसे पीएम संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय से सामने आई जानकारी के मुताबिक इन भवनों के उद्घाटन से देश की प्रशासनिक शासन संरचना में

बदलाव होगा। यह परिसर आधुनिक, कुशल, सुलभ और नागरिक-केंद्रित शासन प्रणाली के निर्माण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने भी सोशल मीडिया साइट एक्स पर सेवा तीर्थ के उद्घाटन की तारीख को दिल्ली के इतिहास से भी जोड़ा है।

मुरैना में ससुर-दामाद पर 12 राउंड फायरिंग

मुरैना, एजेंसी

मुरैना जिले में बदमाशों ने ससुर-दामाद को घेरकर गोली मार दी। दामाद की जांघ को बुलेट चीरकर निकल गई, जबकि सुसर के पैर के गोली आर-पार हो गई। बताया जा रहा है कि 12 से ज्यादा राउंड फायरिंग हुई। 5 से ज्यादा खाली खोखे मिले हैं। मामला सराय छोला थाना क्षेत्र के केन्थरी गांव का है। जानकारी के मुताबिक घायलों की पहचान दामाद देवेंद्र गुर्जर (24) और ससुर औतार गुर्जर (50) के रूप में हुई है। दोनों घायलों की हालत नाजुक और इलाज के लिए ग्वालियर भेजा गया है।

बारात में चली गोली 15 साल के बैंडवाले को लगी, मौत

जांच के लिए पुलिस ने जब्त किया ड्रोन कैमरा

सागर, एजेंसी

शादी समारोह के दौरान हुई फायरिंग ने एक मासूम की जान ले ली। मोतीनगर थाना क्षेत्र के गोला कुआं के पास बारात में अचानक चली गोली बैंड बजा रहे 15 वर्षीय बच्चे विवेक बंसल के सीने में जा धंसी। अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। घटना के बाद से ही इलाके में तनाव और शोक का माहौल है।

पुलिस के मुताबिक, मोतीनगर स्थित सागर सरोज मैरिज गार्डन में सोनी परिवार का विवाह समारोह चल रहा था। बारात गोला कुआं से गार्डन की ओर बढ़ रही थी। बैंड पार्टी सबसे आगे चल रही थी। इसी

दौरान भीड़ में शामिल एक युवक ने कट्टे से फायर कर दिया।

गोली सीधे विवेक के सीने में लगी और वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा। गोली चलते ही नाचते-गाते बारातियों में भगदड़ मच गई। मौके पर मौजूद लोगों ने फायरिंग करने वाले एक संदिग्ध युवक को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया।

जनकल्याण के लिए अहम है जनगणना: सीएम

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज जनगणना-2027 के प्रथम चरण के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि जनगणना देश की सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण डाटा प्रक्रिया है। इसके आधार पर सरकार की योजनाएं बनती हैं, संसाधनों का वितरण तय होता है और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने की रणनीति तैयार होती है। राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनगणना - 2027 की प्रक्रिया पर केंद्रित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया।

हंगामे के बीच लोकसभा 9 मार्च तक स्थगित

नईदिल्ली, एजेंसी

बजट सत्र के पहले चरण के आखिरी दिन यानी शुक्रवार को भी लोकसभा में प्रश्न काल हंगामे के कारण नहीं चल सका। 5 मिनट की कार्यवाही के दौरान विपक्षी सांसद नारेबाजी करते हुए वेल में पहुंच गए। सांसद केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी के इस्तीफे की मांग को लेकर नारे लगा रहे थे। इसके बाद चेयर पर मौजूद संध्या राय ने लोकसभा 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। दोपहर 12 बजे कार्यवाही शुरू हुई। इस दौरान एजुकेशन, कानून मंत्रालय समेत कई मंत्रियों ने बिल पेश किए। इसके बाद सदन को 9 मार्च तक के लिए स्थगित कर दिया गया। संसद का बजट सत्र दो चरणों में हो रहा है। 23 दिन के ब्रेक के बाद सत्र का दूसरा हिस्सा 9 मार्च से शुरू होगा, जो 2 अप्रैल तक चलेगा।

30 फीट गहरे तालाब में गिरी कार तीन बारातियों की मौत, सात घायल

विदिशा। विदिशा में गुरुवार देर रात बारातियों से भरी तेज रफ्तार टवेरा कार सूखे तालाब में जा गिरी। हादसे में 3 बारातियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 7 लोग घायल हैं। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक गैरतगंज से जाफरखेड़ी निवासी दशरथ सिंह के यहां बारात आ रही थी। टवेरा कार में कुल 10 लोग सवार थे। गाड़ी तेज रफ्तार में थी। अंधेरा होने के कारण ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया। कार सड़क से सीधे 30 फीट गहरे सूखे तालाब में जा गिरी। हादसे में 35 वर्षीय राजेश लोधी, 30 वर्षीय सोनू लोधी (ड्राइवर) और 35 वर्षीय चंद्रशेखर की जान चली गई। घायलों में अशोक लोधी, राज बोधी, बृजेश लोधी, सुदीप लोधी शामिल हैं।

पाकिस्तान को हल्के में कतई न ले टीम इंडिया और उसका प्रबंधन

भारत ने लीग स्टेज के अपने पहले दोनों मैच जीतकर ग्रुप में पहली पायदान पर स्थान तो बना लिया, लेकिन 15 फरवरी को पाकिस्तान के साथ कोलंबो में प्रस्तावित मैच, टीम इंडिया प्रबंधन से बड़ी सर्तकता की मांग कर रहा है। इसमें कोई शक नहीं कि भारत के पास विस्फोटक बल्लेबाजों की भरमार है। उसके पास शानदार तेज गेंदबाजों के साथ वरूण चक्रवर्ती जैसे मिस्ट्री स्पिनर और कुलदीप यादव जैसे जादूगर चाईनामैन गेंदबाज भी हैं। लेकिन, बल्लेबाजी में भारत के मुकाबले पाक टीम कागजों पर भले कमजोर दिखती हो लेकिन उसकी गेंदबाजी की ताकत की अनदेखी नहीं की जा सकती। बात भारत की बल्लेबाजी की करें। अभिषेक शर्मा यदि अस्पताल से लौटकर मैच खेलने के लिए फिट हो गए तो यह सोने में सुहागा होगा। वे ईशान किशन के साथ पाक गेंदबाजों की कमर तोडऩे में सक्षम हैं। फिर उनके बाद कप्तान सूर्यकुमार, तिलक वर्मा, हार्दिक पंडया, शिवम दुबे और रिंकु सिंह सरीखे विस्फोटक बल्लेबाजों की फौज है। हार्दिक पंडया और शिवम दुबे जैसे आल राऊंडर के साथ उपकप्तान अक्षर पटेल सरीखे बल्लेबाजों का बैकअप भी है जो जरूरत के हिसाब से अच्छी गेंदबाजी भी करते हैं। तेज गेंदबाजी की बात करें तो मेरे हिसाब से जसप्रीत बूमराह के साथ अर्शदीप सिंह के बजाए मोहम्मद सिराज को मौका दिया जाना चाहिए। यदि पिच स्पिन के लिए मददगार हो तो वरूण चक्रवर्ती के साथ रिंकू की जगह कुलदीप यादव को खिलाना ही होगा। पाकिस्तान की बात करें तो उसके पास भी बाबर आजम, फकर जमान,साहिबजादा फरहान, ख्वाजा मोहम्मद नैफी तथा उस्मान खान जैसे धाकड़ बल्लेबाज हैं। इसके अलावा कप्तान सलमान अली आगा और शादाब खान जैसे आलराऊंडर के साथ बल्लेबाजी में गहराई है। तेज गेंदबाजों में बाएं हाथ के शाहीन अफरीदी के साथ नसीम शाह का खेलना तय है। तीसरे तेज गेंदबाज के बतौर मोहम्मद सलमान मिर्जा और फहीम अशरफ में से कोई एक हो सकता है। यदि हैरिस रऊफ होते तो वह पाक से लिहाज से ज्यादा बेहतर होता, क्योंकि वह भारत को चौंकाते आए हैं। भारत की असली समस्या पाक के मिस्ट्री गेंदबाज उस्मान तारिक और शादाब खान से निपटना होगी। स्पिन विकेट मिली और बाएं हाथ के मोहम्मद नवाज या अबरार अहमद में से कोई एक खेला तो उनसे उतनी ज्यादा दिक्कत नहीं होगी।

कोलंबो के प्रेमदासा स्टेडियम में अमूमन पिच धीमी होती है जो स्पिनर को ज्यादा मददगार रहती है। पाक ने दोनों मैच चार स्पिनर को खिलाकर जीते हैं। लेकिन प्रेमदासा में दूसरे मिजाज की पिच की बात कहकर पाक के पूर्व स्पिनर सकलैन मुश्ताक ने भारत और आईसीसी पर कुछ ऐसे आरोप जड़े हैं, जिससे लगता है कि पाक ने मैच के पहले ही हार के कारणों की जमीन तैयार कर ली है। सकलैन का कहना है कि जिस तरह की टेक्नालॉजी है और जिस तरह के मॉडर्न डे ग्राउंड्समैन हैं, वे आसानी से पिच के मिजाज को बदल सकते हैं। आईसीसी किसके प्रभाव में हैं यह सबको पता है। बहरहाल सकलैन कुछ भी कहें मुझे नहीं लगता कि भारतीय टीम प्रबंधन और कप्तान सूर्यकुमार पाकिस्तानी चुनौती को हल्के में लेने की भूल करेंगे।

सर्वे पूरा... भोपाल की 500 सहित प्रदेश की कई प्राइम लोकेशन पर बढ़ेंगे दाम

प्रॉपर्टी की नई दरें तय करने की तैयारी एक अप्रैल से लागू होगी गाइडलाइन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में प्रॉपर्टी की दरें तय करने के लिए विभिन्न जिलों की करीब 74 हजार लोकेशन का सर्वे राजस्व और पंजीयन विभाग के अधिकारियों द्वारा किया गया है। इनके आधार पर ही नई कलेक्टर गाइडलाइन का प्रस्ताव बनाया जा रहा है, जिसे जल्द ही जिला मूल्यांकन समिति की बैठक में चर्चा के बाद केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड को भेज दिया जाएगा। वहां से सहमति मिलने के बाद एक अप्रैल से पूरे प्रदेश में प्रापर्टी की नई दरें लागू कर दी जाएंगी।

एआई से हो रहा आकलन

जानकारी के अनुसार प्रदेश में करीब सवा लाख से अधिक लोकेशन हैं, जिनमें से 74 हजार से अधिक लोकेशन पर प्रापर्टी की खरीद-बिक्री की जाती है। इन्हीं पर पंजीयन व राजस्व अधिकारियों द्वारा संपदा टू साफ्टवेयर और एआइ सहित अन्य माध्यमों से सर्वे किया जा रहा है। इस सर्वे में पता लगाया जा रहा है कि कितनी लोकेशनों पर वर्तमान दरों से अधिक दरों पर रजिस्ट्रियां हुई हैं। इसी तरह भोपाल की तीन हजार लोकेशन पर सर्वे किया गया है, जिनमें से एक हजार से अधिक पर प्रापर्टी की खरीद-बिक्री की जा रही है।

जल्द होगी समिति की बैठक

पिछले सर्वे में सामने आया था कि उक्त लोकेशनों पर निर्माण कार्य, आवासीय, व्यावसायिक भवन, सड़क आदि का निर्माण करने के साथ ही तय दरों से अधिक दरों पर रजिस्ट्रियां की गई थी। अधिकारियों ने बताया कि गाइडलाइन का प्रस्ताव बन गया है। इसमें शहरी व ग्रामीण क्षेत्र से लगी उन लोकेशनों को शामिल किया गया है, जहां पर तय दर से अधिक दरों पर रजिस्ट्रियां हुई हैं। इन्हीं लोकेशन पर दरों में वृद्धि किए जाने की तैयारियां की जा रही है। इसको लेकर जल्द ही उप जिला मूल्यांकन समिति की बैठक आयोजित की जाएगी।

शासन के निर्देशों का इंतजार

चर्चा के बाद प्रस्ताव जिला मूल्यांकन समिति को भेज दिया जाएगा। महानिरीक्षक पंजीयन अमित तोमर का कहना है कि सभी जिलों में कलेक्टर गाइडलाइन का प्रस्ताव बनाने का राजस्व व पंजीयन अधिकारियों द्वारा कार्य किया जा रहा है। प्रस्ताव मिलने के बाद उस पर चर्चा की जाएगी और शासन के दिशा-निर्देश के अनुसार ही निर्णय लिया जाएगा।

अधिक दरों पर हुई रजिस्ट्रियों का प्रभाव

इनमें से करीब 500 से अधिक लोकेशन ऐसी हैं, जहां पर वर्तमान दरों से अधिक दरों पर रजिस्ट्रियां करवाई गई हैं। इन लोकेशनों को चिह्नित कर रजिस्ट्रियों का आंकलन कर प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है, जिससे नई कलेक्टर गाइडलाइन में प्रापर्टी के दाम तय किए जा सकें। गौरतलब है कि चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में 55 जिलों में 60 हजार स्थानों पर प्रापर्टी की दरों में करीब 25 प्रतिशत तक की वृद्धि की गई थी। इसके लिए भी अधिकारियों ने एआइ सहित अन्य माध्यमों से सर्वे किया था।

राजधानी में अनोखा समझौता...

पत्नी ने डेढ़ करोड़ लेकर पति उसकी प्रेमिका को सौंपा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

कुटुंब न्यायालय भोपाल में पारिवारिक रिश्तों में समझौते का एक अजीब मामला आया है। यहां पत्नी ने एक डुप्लेक्स और 27 लाख रुपये नकदी लेकर अपने पति को उसकी प्रेमिका के साथ रहने की इजाजत दी है। लंबी काउंसलिंग के बाद तीनों पक्षों का यह समझौता करीब डेढ़ करोड़ रुपये का पड़ा है।

दरअसल, एक सरकारी विभाग में कार्यरत 42 वर्षीय शादीशुदा व्यक्ति को अपने ही कार्यालय में कार्यरत 10 साल बड़ी महिला अधिकारी से प्रेम हो गया।

बड़ी बेटी की शिकायत पर शुरू हुई काउंसलिंग

समय के साथ दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ती गईं, जिससे पति अपने परिवार से दूरी बनाने लगा। इसकी वजह से परिवार में लगातार विवाद होने लगे। घर में रोजाना होने वाले झगड़ों का असर बच्चों पर भी पड़ने लगा। दंपती की 16 वर्ष और 12 वर्ष की बेटियां हैं। माता-पिता के बीच रोज-रोज के झगड़े से परेशान होकर दंपती की बड़ी बेटी ने कुटुंब न्यायालय में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद न्यायालय ने माता-पिता को काउंसलिंग के लिए बुलाया।

दंपती के बीच प्रेम नहीं तो साथ रहने का मतलब नहीं

समाजशास्त्री शशांक शेखर का कहना है कि ऐसे विवादों का सबसे अधिक प्रभाव बच्चों पर पड़ता है, इसलिए किसी भी पारिवारिक निर्णय में उनके हितों को प्राथमिकता देना जरूरी होता है। जब दंपती के बीच प्रेम नहीं है तो फिर साथ रहने का कोई मतलब नहीं है।

तलाक देने व बेटियों को प्यार करने की बात कही

काउंसलिंग के दौरान पति ने स्वीकार किया कि वह अपनी सहकर्मी अधिकारी के साथ रहना चाहता है। वह पत्नी को तलाक देने के लिए भी तैयार था। उसका कहना था कि उसे घर आने का मन नहीं करता है, क्योंकि वहां हर रोज पत्नी से लड़ाई होती है। वह बेटियों को प्यार करता है, लेकिन वह पत्नी के साथ नहीं रह सकता। काउंसलिंग करने वालों का कहना है कि मामला पांच वर्ष तक चला है। दंपती के बीच पहले से ही विश्वास की कमी इतनी बढ़ चुकी थी कि समझौता मुश्किल हो गया था।

आर्थिक सुरक्षा की शर्त और प्रेमिका की रजामंदी

बच्चों के भविष्य को देखते हुए समझौता कराया गया। अब पति-पत्नी के बीच आपसी सहमति से विवाह विच्छेद की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पत्नी ने बेटियों और खुद के लिए आर्थिक सुरक्षा की मांग रखते हुए एक डुप्लेक्स और 27 लाख रुपये की शर्त रखी। इस प्रस्ताव को पति की प्रेमिका ने स्वीकार कर लिया। प्रेमिका का कहना था कि उसे भी अपने प्रेमी की पत्नी और उनकी बेटियों के भविष्य की चिंता है। इस कारण उसने इस शर्त को स्वीकार कर नकद राशि और मकान उन्हें दे दिया।

17 फरवरी तक मौका, हज हाउस में लगेगी वैक्सीन

अधिकारियों ने कहा- बिना हेल्थ कार्ड के हज यात्रा संभव नहीं, दस्तावेज लाना अनिवार्य

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल से हज पर जाने वाले यात्रियों के लिए स्वास्थ्य विभाग और मध्य प्रदेश राज्य हज कमेटी ने विशेष स्वास्थ्य व्यवस्था की है। हज यात्रियों को अनिवार्य टीकाकरण, ओरल पोलियो डोज और स्वास्थ्य परीक्षण की सुविधा 13 से 17 फरवरी तक हज हाउस में उपलब्ध कराई जा रही है। यह व्यवस्था भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार की गई है। अधिकारियों का कहना है कि हज यात्रा के दौरान यात्रियों की सेहत सुरक्षित रहे, इसी उद्देश्य से यह पूरा अभियान चलाया जा रहा है।

हज हाउस में रोजाना लगेगा स्वास्थ्य शिविर

बताया जा रहा है मध्य प्रदेश राज्य हज कमेटी के माध्यम से हज-2026 पर जाने वाले भोपाल जिले के यात्रियों के लिए सिंगारचोली गुलमोहर गार्डन, एयरपोर्ट रोड स्थित हज हाउस परिसर में स्वास्थ्य शिविर लगाया जा रहा है। यह शिविर 13 से 17 फरवरी 2026 तक प्रतिदिन सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक संचालित होगा। यहां यात्रियों का स्वास्थ्य परीक्षण करने के साथ जरूरी टीके भी लगाए जाएंगे। कमेटी ने यात्रियों से अपील की है कि वे तय तिथियों के बीच टीकाकरण के लिए कवर नंबर, पासपोर्ट की कॉपी और दो पासपोर्ट साइज फोटो साथ लेकर आएं। टीकाकरण और जांच के बाद यात्रियों को पर प्रमाण पत्र दिया जाएगा। यह हेल्थ कार्ड हज यात्रा के दौरान यात्रियों के पास होना अनिवार्य रहेगा।

कौन-कौन से टीके लगाए जा रहे

स्वास्थ्य विभाग द्वारा हज यात्रियों को मेनिनजाइटिस और पोलियो के टीके लगाए जा रहे हैं। इसके साथ ही 60 वर्ष से अधिक आयु के यात्रियों को अतिरिक्त सुरक्षा के तौर पर इन्फ्लूएंजा का टीका भी लगाया जा रहा है। यह टीके हज यात्रा के दौरान संक्रमण से बचाव के लिए जरूरी माने जाते हैं। जो हज यात्री किसी कारणवश 17 फरवरी तक हज हाउस में टीकाकरण नहीं करा पाएंगे, वे जयप्रकाश जिला चिकित्सालय में जाकर आवश्यक टीकाकरण करा सकेंगे।

हर यात्री को मिलेगा कार्ड

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. मनीष शर्मा ने बताया कि यह टीकाकरण अभियान पूरी तरह केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार चलाया जा रहा है। स्वास्थ्य परीक्षण के बाद प्रत्येक हज यात्री को हेल्थ कार्ड दिया जा रहा है, जिससे हज यात्रा के दौरान चिकित्सा सुविधा लेने में आसानी होगी।

होली पर यात्रियों को 27 फरवरी से 3 मार्च के बीच मिलेगी सुविधा

कमलापति-दानापुर के बीच 4 ट्रिप स्पेशल ट्रेन चलेगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

होली पर्व पर बढ़ने वाली यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने रानी कमलापति-दानापुर-रानी कमलापति के बीच स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में कुल 2-2 फेरे लगाएगी। स्पेशल ट्रेन में एसी, स्लीपर और सामान्य श्रेणी के कोच रहेंगे। गाड़ी संख्या 01667 रानी कमलापति-दानापुर स्पेशल 27 फरवरी और 2 मार्च 2026 को दोपहर 2.25 बजे रानी कमलापति से रवाना होगी। यह ट्रेन नर्मदापुरम, इटारसी, पिपरिया, गाडरवारा, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, मैहर और सतना सहित कई स्टेशनों पर रुकते हुए अगले दिन सुबह 8.45 बजे दानापुर पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 01668 दानापुरङ्कानी कमलापति स्पेशल 28 फरवरी और 3 मार्च 2026 को दानापुर से चलेगी और अगले दिन सुबह 8.55 बजे रानी कमलापति पहुंचेगी। यात्री इस ट्रेन के लिए आईआरसीटीसी वेबसाइट या आरक्षण केंद्रों से टिकट बुक कर सकते हैं।

नाबालिग हिंदू छात्रा से रेप केस में खुलासा

घटना के समय माज-ओसाफ एक साथ थे सीडीआर में पुष्टि, आरोपी ने छेड़छाड़ की थी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

खानूगांव में थार में बंधक बनाकर 11वीं कक्षा की नाबालिग हिंदू छात्रा से रेप, पॉस्को, धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम और आईटी एक्ट के आरोपी मोहम्मद माज खान को गुरुवार को पुलिस घटना स्थल लेकर पहुंची। आरोपी से स्पॉट पर तस्दीक की गई। इसी के साथ घटना के दिन और समय आरोपी माज और ओसाफ अली खान एक साथ थे, इस बात की पुष्टि उनकी सीडीआर से हो गई है। माज ने भी पीड़िता को अश्लील मैसेज किए और छेड़छाड़ की, इस बात की पुष्टि भी पुलिस की जांच में हो गई है।

पुलिस को मिली सीडीआर से साफ हो चुका है कि घटना के समय दोनों की मोबाइल लोकेशन एक साथ एक ही स्थान पर खानूगांव में थी। वहीं ओसाफ कार में एक छुरा रखता था। जिसे जब्त किया गया है। आरोपियों के खिलाफ आर्मस एक्ट की धाराओं में इजाफा कर लिया गया है। पुलिस रिमांड पर चल रहे माज ने पीड़िता के साथ छेड़छाड़ करने की बात से इनकार किया है। उसका कहना है कि उसने केवल पीड़िता का निजि वीडियो गुपचुप तरीके से बनाया था। पुलिस को आरोपी द्वारा पीड़िता को मैसेज किए जाने के प्रमाण भी मिले हैं। आरोपी माज की गिरफ्तारी पर दस हजार रुपए का ईनाम घोषित था।

माज की गिरफ्तारी बीते रविवार को की गई थी। गिरफ्तारी के साथ ही कोहेफिजा थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक ज्ञानेंद्र दिवेदी को सस्पेंड किया गया था। आरोप था कि आरोपी ने माज के साथ एक होटल में लंच किया। विभाग की गोपनीय सूचना लीक कीं, जिससे माज की गिरफ्तारी में विलंब हुआ। इस काम के लिए ज्ञानेंद्र को 50 हजार रुपए दिए गए थे। इस बात की पुष्टि माज ने पुलिस की पूछताछ में की है। अब ज्ञानेंद्र के खिलाफ विभागीय जांच जारी है। बता दें कि माज महज 23 साल का होने के साथ ही प्रतिष्ठित जिम का संचालन करता है। इसी के साथ कई कंस्ट्रक्शन साइट्स में स्वयं को पार्टनर बता रहा है। उसका भाई मोनिस एमडी ड्रग की तस्करी के आरोप में फिलहाल जमानत पर है। महज 8 से 10 सालों में माज और मोनिस करोड़पति कैसे बने, इस बात की भी जांच एसआईटी करेगी। मोनिस 10-12 साल पहले मामूली होम ट्यूटर हुआ करता था।

करेंसी एक्सचेंज के नाम पर महिला से लूट

भोपाल। सस्ते दाम पर डॉलर दिलाने का झांसा देकर भोपाल में निजी कंपनी की महिला कर्मचारी से 2.92 लाख रुपये की ठगी हो गई। आरोपित ने करेंसी एक्सचेंज कारोबारी बनकर पहले उसका भरोसा जीता फिर रकम खाते में डलवा ली और मोबाइल बंद कर गायब हो गया। पुलिस ने ठगी का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विनीता प्रजापति मार्केटिंग कंपनी में कार्यरत हैं और गांधीनगर क्षेत्र में रहती हैं। कंपनी के काम से उन्हें डॉलर की जरूरत थी। इसी दौरान उनका संपर्क महाराष्ट्र के नासिक निवासी रविप्रकाश त्रिपाठी से हुआ, जिसने खुद को अधिकृत करेंसी एक्सचेंज से जुड़ा बताया। उसने कम समय और सस्ते दाम में डॉलर उपलब्ध कराने का दावा किया। डील तय होने के बाद विनीता ने सितंबर से दिसंबर 2025 के बीच तीन अलग-अलग किस्तों में कुल दो लाख 92 हजार 890 रुपये आरोपित के बताए बैंक खाते में ट्रांसफर कर दिए।

मेट्रो एंकर

कलेक्ट्रेट, पत्रकार कॉलोनी-बावड़ियाकलां में खुले सेंटर

तीन सामुदायिक मध्यस्थता केंद्रों में होगी मामलों की सुनवाई

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

शहर में 3 सामुदायिक मध्यस्थता केंद्रों का ई-लोकार्पण जबलपुर हाईकोर्ट के प्रशासनिक न्यायाधीश न्यायमूर्ति विवेक रूसिया ने किया। ये सेंटर कलेक्ट्रेट, पत्रकार कॉलोनी और बावड़ियाकलां में खुले हैं। जहां पक्षकार उनके मध्य पारिवारिक, संपत्ति और अन्य विवादों का निपटारा सौहाद्रपूर्ण वातावरण में निःशुल्क करवा सकेंगे। न्यायमूर्ति एवं मप्र विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के कार्यपालक अध्यक्ष रूसिया ने जबलपुर से भोपाल स्थित तीनों सामुदायिक मध्यस्थता केंद्रों का लोकार्पण किया।

इन जगहों पर सेंटर: लोक सामुदायिक मध्यस्थता केंद्र कलेक्टर कार्यालय। लोकार्पण के दौरान यहां प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार श्रीवास्तव, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अग्निम्ब्र कुमार द्विवेदी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव सुनीत अग्रवाल, कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह एवं अन्य अन्य प्रशासनिक अधिकारी सहित सामुदायिक मध्यस्थ रूप से उपस्थित रहे। सर्व समाज सामुदायिक मध्यस्थता केंद्र, 24 पत्रकार कॉलोनी। यहां विशेष न्यायाधीश राजर्षि श्रीवास्तव, मध्यस्थता केंद्र प्रभारी पवन गुरू मौजूद रहे। ग्लोबल सामुदायिक मध्यस्थता केंद्र, आकृति बिजनेस सेंटर बावड़ियाकलां। यहां 15वें जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश कुमुदिनी पटेल, न्यायिक मजिस्ट्रेट राहुल सिंह यादव, मध्यस्थता केंद्र प्रभारी प्रतिभा राजगोपाल आदि मौजूद थे। सामुदायिक मध्यस्थता केंद्र का ई-लोकार्पण किया गया।

न्यायमूर्ति रूसिया बोले- यह बड़ी उपलब्धि

इस मौके पर ग्वालियर स्थित एक सामुदायिक मध्यस्थता केंद्र का भी ई-लोकार्पण किया गया। न्यायमूर्ति रूसिया के साथ मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की सदस्य सचिव सुमन श्रीवास्तव, राज्य प्राधिकरण के अन्य अधिकारी मौजूद थे। न्यायमूर्ति रूसिया ने संबोधित करते हुए कहा कि इन केंद्रों में पक्षकार उनके मध्य पारिवारिक, साम्पातिक व अन्य विवादों का निपटारा सौहाद्रपूर्ण वातावरण में निःशुल्क करवा सकते हैं। उन्होंने सामुदायिक मध्यस्थता केंद्रों का प्रारंभ होना एक बड़ी उपलब्धि बताई। जानकारी दी कि स्वैच्छा सेवा देने के लिए इच्छुक सामाजिक व्यक्तियों के सहयोग से पूरे प्रदेश में अन्य मध्यस्थता केंद्र प्रारंभ किए जाएंगे।

रुक जाना नहीं योजना: छात्रों को मिला दोबारा आगे बढ़ने का मौका

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा मध्य प्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड के माध्यम से रुक जाना नहीं योजना सहित विभिन्न ओपन स्कूल योजनाओं के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। विद्यार्थी मप्र राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड की वेबसाइट पर अपना परिणाम देख सकते हैं। इन योजनाओं के माध्यम से प्रदेश के हजारों ऐसे विद्यार्थियों को दोबारा परीक्षा देने का अवसर मिला था, जो मप्र बोर्ड की 10वीं व 12वीं की मुख्य परीक्षाओं में अनुत्तीर्ण हो गए थे। दिसंबर 2025 में आयोजित इस परीक्षा में 10वीं के 16 हजार 356 एवं 12वीं के 23 हजार 847 विद्यार्थियों ने आवेदन किया था। परीक्षा 15 दिसंबर 2025 से 6 जनवरी 2026 तक हुई। साथ ही बोर्ड ने रुक जाना नहीं (कक्षा 10 एवं 12), राज्य ओपन परंपरागत (कक्षा 5, 8, 10 एवं 12), आ लौट चलें (कक्षा 10 एवं 12), सीबीएसई ऑन डिमांड (12वीं), आईटीआई 12वीं समकक्ष और मदरसा बोर्ड योजनाओं के परीक्षा परिणाम भी घोषित कर दिए हैं। कक्षा 5वीं, 8वीं, 10वीं एवं 12वीं का कुल परिणाम 51.58 प्रतिशत रहा है। अनुत्तीर्ण विद्यार्थी ओपन स्कूल की पूर्ण क्रेडिट योजना के अंतर्गत अधिकतम तीन विषयों के लिए पुनः ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

मेपकास्ट में दत्तोपंत ठेंगडी शोध संस्थान द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शोधार्थी समागम

समग्रता है भारतीय शोध दृष्टि की विशेषता : सोनी

रिसर्च समाज के लिए, लाभ के लिए नहीं: मुख्यमंत्री

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रख्यात चिंतक और विचारक सुरेश सोनी ने कहा कि वर्तमान अकादमिक चिंतन यूरोप केंद्रित है। इस विचार का ग्रेविटेशनल फोर्स भारत के बाहर है। यूरोप में विषयों का वर्गीकरण ऐसा किया गया है जो भारत में नहीं है। शोध के लिये इसे भारत केंद्रित बनाना होगा। भारत की शोध दृष्टि समग्रता में है, विषयों को खंड-खंड देखने की नहीं है। सोनी दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान द्वारा मेपकास्ट में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय शोधार्थी समागम 2026 के उद्घाटन क्षेत्र में बीच वक्तव्य दे रहे थे। उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा और शोध के लिए दृष्टि, उत्तरदायित्व और कार्य योजना पर विस्तार से प्रकाशित डाला। विकसित भारत के लिए विभिन्न विषयों में शोध और इस विचार के महत्व को स्पष्ट किया उन्होंने कहा कि हमारा शोध न तो पुराने की छाया हो और नहीं रूस और अमेरिका की प्रतिकृति बने। हमें अकादमी जगत में इटरनल वैल्यूज को ध्यान में रखकर शोध करना चाहिए। पाश्चात्य समाजशास्त्री विचारों ने समाज को विकृत रूप में प्रस्तुत किया है। भारतीय समाज का ताना-बाना ऐसा नहीं है। भारत के गांव में ब्राह्मण के विवाह के अवसर पर कुमार की चाक से मिट्टी लाने की परंपरा रही है।

हमारा अर्थशास्त्र मांग-आपूर्ति पर आधारित नहीं

सोनी ने कहा कि विदेशी चिंतन ने मांग और आपूर्ति को अर्थशास्त्र का प्रमुख सिद्धांत बताया। लेकिन हमारा अर्थशास्त्र का ज्ञान इस सिद्धांत पर आधारित नहीं है। इस सिद्धांत के आधार पर सस्टेनेबल डेवलपमेंट के लक्ष्य को पाया नहीं जा सकता। इसके लिए 'उत्पादन में प्रचुरता और उपभोग में संयम' का मंत्र अपनाना होगा। मांग-आपूर्ति के सिद्धांत को देखें तो उसमें प्रॉफिट की कोई सीमा नहीं है। सोनी ने वर्तमान में डिजिटल और सोशल मीडिया की प्रवृत्ति से हो रहे नुकसान का भी उल्लेख किया।

समाज की सोच बदलने वाली हो रिसर्च: सीएम

मुख्यमंत्री ने कहा है कि शोध अकादमिक गतिविधि मात्र नहीं, यह समाज और राष्ट्र की दिशा बदलने वाली शक्ति है। कोई भी शोध इतना उच्च कोटि का होना चाहिए जो हम सबकी सोच को एक नई दृष्टि, नई दिशा भी दे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी शोधार्थियों से आह्वान किया कि वे देश के विकास के लिए अपनी जिज्ञासा और रुचि के अनुसंधान क्षेत्रों में निर्भीक होकर आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि शोध का लाभ एकल नहीं है वह समाज के लिए है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शोध सिर्फ़ एक शैक्षणिक आवश्यकता नहीं, सामाजिक परिवर्तन और विकास का सशक्त माध्यम भी है। दुनिया के ज्ञान पर पश्चिम का प्रभाव आया है। भारतीय संस्कृति भी इससे प्रभावित हुई। हमारी संस्कृति में एकल शोध की परंपरा कभी नहीं रही। शोध समाज आधारित होना चाहिए, जिसमें राष्ट्र के कल्याण की बात कही जाए। दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान राष्ट्रीय शोधार्थी समागम के माध्यम से देश के शोधार्थियों को नई दिशा प्रदान कर रहा है।

विदेशी मानसिकता को बदलने की आवश्यकता: परमार

उच्च शिक्षा एवं आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान ने इस तीन दिवसीय राष्ट्रीय शोधार्थी समागम में देशभर के शोधार्थी शामिल हुए हैं। यह आयोजन राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में भारत केंद्रित परंपरा, संस्कृति और विरासत के शोध को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। हमारे किसान भी कृषि के क्षेत्र में नई रिसर्च करते हैं। इसी प्रकार हमारे वैद्य और परंपरागत कारीगर जीवंत शोध करते रहते हैं। शोध के क्षेत्र में विदेशी मानसिकता को बदलने और भारतीय व्यवस्था पर केंद्रित शोध करने की आवश्यकता है। ठेंगड़ी शोध संस्थान इस कार्य को बड़े गौरव के साथ आगे बढ़ा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत @2047 का संकल्प लिया गया है।

बमुश्किल दूर हो पाई तकनीकी दिक्कत

पांच दिन से सर्वर डाउन रहा 28 हजार दुकानों की नहीं चली बायोमेट्रिक मशीनें

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के 1 करोड़ 32 लाख लोगों को अब बिना किसी दिक्कत के राशन मिलेगा। पिछले 5 दिन से 28 हजार से ज्यादा राशन दुकानों की बायोमेट्रिक मशीनें सर्वर डाउन होने से नहीं चली थी। इस कारण लोगों को राशन नहीं मिल पा रहा था। गुरुवार को तकनीकी समस्या दूर की गई। अफसरों का कहना है कि आज से नियमित रूप से राशन का वितरण किया जाएगा।

राशन दुकानों पर विजन टेक कंपनी ने बायोमेट्रिक मशीन लगाई है। इसमें अंगूठा लगाने के बाद ही राशन दिया जाता है। इसी मशीन में दिक्कतें हो रही थीं। पिछले 5 दिन से सर्वर डाउन रहा। इस वजह से राशन का वितरण नहीं हो पा रहा था।

जिला आपूर्ति अधिकारी चंद्रभान सिंह जादौन ने बताया कि पिछले 5 दिन से सर्वर में दिक्कत आ रही थीं। वहीं, मशीनों में अपग्रेडशन हो रहा था। सॉफ्टवेयर भी अपडेट हो रहा था। इस कारण राशन का वितरण नहीं हो सका। गुरुवार को समस्या दूर हो गई। शुक्रवार को नियमित रूप से बिना दिक्कत के राशन का वितरण हो सकेगा।

28 हजार दुकानों से वितरित हो रहा राशन

भोपाल में 502 दुकानें, साढ़े 3 लाख हितग्राही राशन के दायरे में एमपी के 1 करोड़ 32 लाख 45 हजार 841 लोग आते हैं। इन्हें 28 हजार 70 दुकानों से राशन का वितरण हो रहा है। भोपाल में 502 दुकानें हैं। जहां से 3.50 लाख लोगों को राशन वितरण होता है। इतना मिलता है राशन प्राथमिक परिवार को 5 किलोग्राम प्रति सदस्य के हिसाब से राशन दिया जाता है। इनमें 4 किलो गेहूं और 1 किलो फोर्टिफाइड चावल शामिल हैं। अंत्योदय परिवार को 35 किलो (प्रति परिवार) राशन दिया जाता है। इसमें 30 किलो गेहूं, 5 किलो चावल शामि हैं। इसके अलावा एक किलो शकर और एक किलो नमक भी दिया जाता है।

विधानसभा के बजट सत्र से पहले सियासी गर्मी

जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र, तीन मंत्रियों को हटाने की मांग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

जीतू पटवारी ने सीएम को पत्र लिखकर बजट सत्र से पहले तीन मंत्रियों को हटाने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि गंभीर मामलों के बावजूद कार्रवाई नहीं होना सरकार की नैतिकता पर सवाल खड़ा करता है।

उन्होंने कहा है कि प्रदेश आर्थिक चुनौतियों और बढ़ते कर्ज के बोझ से गुजर रहा है। पटवारी ने अपने पत्र में आरोप लगाया कि प्रदेश में लोकतांत्रिक मूल्यों की अनदेखी हो रही है और गंभीर आरोपों के बावजूद मंत्रियों का पद पर बने रहना सरकार की जवाबदेही पर सवाल खड़ा करता है। उनका कहना है कि सरकार को जनभावनाओं का सम्मान करते हुए सख्त निर्णय लेना चाहिए।

राज्यपाल के अभिभाषण पर भी सवाल

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने 16 फरवरी से शुरू हो रहे बजट सत्र का जिक्र करते हुए कहा कि राज्यपाल के अभिभाषण में उपलब्धियों के आंकड़े पेश किए जाएंगे, जबकि प्रदेश आर्थिक चुनौतियों और बढ़ते कर्ज के बोझ से गुजर रहा है। उन्होंने इसे आंकड़ों का आडंबर करार दिया।

विजय शाह हैं विपक्ष के निशाने पर

पटवारी ने पत्र में तीन मंत्रियों का उल्लेख करते हुए नैतिक जवाबदेही तय करने की मांग की है। विजय शाह पर देश की बेटी और भारतीय सेना के अपमान से जुड़े कथित बयान को लेकर आपत्ति जताई। वहीं राजेंद्र शुक्ल के कार्यकाल में छिंदवाड़ा में जहरीली सिरप से बच्चों की मौत के मामले को उठाया जबकि कैलाश विजयवर्गीय पर अपने क्षेत्र में स्वच्छ पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित नहीं कर पाने का आरोप लगाया।

कार्रवाई नहीं हुई तो जाएगा गलत संदेश

पटवारी ने चेतावनी दी कि यदि बजट सत्र से पहले इन मंत्रियों को मंत्रिमंडल से नहीं हटाया गया तो यह संदेश जाएगा कि सरकार आरोपों पर मौन समर्थन दे रही है। बजट सत्र की शुरुआत से पहले कांग्रेस के इस पत्र ने प्रदेश की राजनीति में नई बहस छेड़ दी है। अब देखना होगा कि सरकार इस मांग पर क्या रुख अपनाती है।

महाशिवरात्रि की तैयारियों शुरू

44 घंटे खुलेंगे महाकाल के पट, 10 लाख श्रद्धालुओं के आगमन का अनुमान

उज्जैन। विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर मंदिर में महाशिवरात्रि का पर्व इस वर्ष 15 फरवरी 2026 (रविवार) को श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर पूरी उज्जैन नगरी शिवमय हो गई है। 6 फरवरी से महाकालेश्वर मंदिर में शिव नवरात्रि और भगवान महादेव के विवाहोत्सव की शुरुआत हो चुकी है, जो 16 फरवरी 2026 तक चलेगा। महाशिवरात्रि के मौके पर देश-विदेश से लाखों श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। मंदिर प्रशासन के अनुसार, इस बार महाकाल मंदिर के पट लगातार 44 घंटे तक दर्शन के लिए खुले रहेंगे। 15 फरवरी सुबह 6 बजे से दर्शन प्रारंभ होंगे, जो 16 फरवरी सुबह तक बिना किसी अवकाश के जारी रहेंगे।

16 फरवरी को दोपहर 12 बजे विशेष भस्म आरती के साथ शिव नवरात्रि का समापन होगा। उल्लेखनीय है कि महाकालेश्वर मंदिर में दोपहर की भस्म आरती वर्ष में केवल एक बार, महाशिवरात्रि पर ही होती है। भस्म आरती से पूर्व भगवान महाकाल को फलों, फूलों और सप्तधान्य से निर्मित भव्य सेहरा अर्पित किया जाएगा। धार्मिक मान्यता के अनुसार, महाशिवरात्रि भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह दिवस के रूप में मनाई जाती है। पुलिस प्रशासन ने महाशिवरात्रि पर 10 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के उज्जैन पहुंचने का अनुमान लगाया है। इसको लेकर पुलिस कंट्रोल रूम में एडीजी राकेश गुप्ता की अध्यक्षता में सुरक्षा और यातायात व्यवस्था संबंधी बैठक आयोजित की गई। बैठक में डीआईजी नवनीत भसीन, एसपी प्रदीप शर्मा, एएसपी गुरु प्रसाद पाराशर, आलोक शर्मा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सत्ता से करीबी दिखाने मंदसौर के बिल्डरों का कारनामा

सीएम के नकली भतीजे ने किया कॉलोनी का उद्घाटन, तस्वीर से खुल गया पूरा राज

नीमच, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के नीमच जिले की मनासा तहसील में हाल ही में एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने सत्ता के गलियारों से लेकर आम जनता तक को हैरान कर दिया। यहां मंदसौर के दो महत्वाकांक्षी कॉलोनाइजरों ने अपने नए रियल एस्टेट प्रोजेक्ट को सफल बनाने के लिए मुख्यमंत्री के परिवार के नाम का ही इस्तेमाल कर डाला। उन्होंने न केवल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के भाई और भतीजे के नाम का दुरुपयोग किया, बल्कि एक कदम आगे बढ़कर एक नकली भतीजे को ही मंच पर सम्मानित कर दिया। जब इस मामले का खुलासा हुआ तो पुलिस ने दोनों बिल्डर्स को बुलाकर माफीनामा लिखवाया और जाने दिया। बिल्डर्स ने माफीनामा में लिखा है कि उन्हें भी नहीं पता था कि जिस शख्स को उन्होंने सम्मानित किया वो सीएम का असली भतीजा नहीं है। पुलिस अब उस शख्स की तलाश कर रही है जिसने बिल्डर्स के पास नकली भतीजा भेजा।

सीएम का नकली भतीजा

सीएम का असली भतीजा

खादू धाम कॉलोनी और बड़े नामों का इस्तेमाल

कोमल बाफना मंदसौर का एक जाना-माना, लेकिन विवादास्पद नाम है। प्रॉपर्टी के कारोबार में उतरने से पहले वह डोडाचूरा का एक बड़ा व्यापारी हुआ करता था। अपनी नई परियोजना, 'खादू धाम कॉलोनी' को नीमच जिले की मनासा तहसील में लॉन्च करते हुए, बाफना और विजयवर्गीय ने इसे सफल बनाने के लिए एक बड़ा दांव खेला। उन्होंने कॉलोनी के प्रचार के लिए जो बैनर और पोस्टर शहर भर में लगवाए, उनमें स्थानीय नेताओं के साथ-साथ प्रदेश के बड़े चेहरों को भी जगह दी। इन बैनरों पर उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, सांसद सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सदस्य बंशीलाल गुर्जर के साथ एक प्रमुख नाम था - नारायण यादव, जो मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के भाई और मध्य प्रदेश कुश्ती संघ के अध्यक्ष हैं।

जब असली मेहमान नहीं आए

तीन दिवसीय कार्यक्रम शुरू हुआ। पहले दिन लोग नारायण यादव की प्रतीक्षा करते रहे, लेकिन वे नहीं आए। दूसरे दिन भी उनकी अनुपस्थिति ने आयोजकों को असहज कर दिया। जब लोगों ने पूछताछ शुरू की, तो कॉलोनाइजरों ने एक नई कहानी गढ़ी। उन्होंने घोषणा की कि नारायण यादव जी अपनी व्यस्तताओं के कारण कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पा रहे हैं, लेकिन उनकी जगह पर उनके बेटे अभय यादव, कार्यक्रम में आएंगे। यह घोषणा सुनते ही लोगों की उम्मीदें फिर से बंध गईं। मुख्यमंत्री का भतीजा, यानी परिवार का एक सीधा सदस्य, कार्यक्रम में आ रहा था, जो कि एक बड़ी बात थी।

वन अधिकार अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन का अभियान

21 जिलों के 26 हज़ार गांवो में वन अधिकार समितियों का प्रशिक्षण

भोपाल। वन अधिकार अधिनियम 2006 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रदेश में विभिन्न स्तरों पर प्रशासनिक अधिकारियों के प्रशिक्षण-सत्रों की शुरुआत की गई है। प्रथम चरण में 21 जिला मुख्यालयों पर उपखण्ड स्तरीय वन अधिकार समिति के शासकीय एवं अशासकीय सदस्यों सहित जिला स्तर पर नामांकित मास्टर ट्रेनर्स के दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

प्रदेश में सामुदायिक वन संसाधन के अधिकार के लिए 26 हजार से अधिक ग्रामों को चिंहित किया गया है। इन अधिकारों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पिछले वर्ष से अभियान शुरू किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में इसका संचालन किया जा रहा है। उपखंड स्तरीय समितियों को वन अधिकार अधिनियम के प्रावधानों के साथ विशेष रूप से सामुदायिक वन संसाधन के अधिकारों के बारे में प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

जनजातीय कार्य विभाग ने विशेष पहल करते हुए, टास्क फोर्स के विशेषज्ञों की मदद से राज्य स्तर पर 35 ''राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स'' की टीम तैयार की है। यह टीम अनुसूचित क्षेत्र के 20 जिलों की उपखंड स्तरीय समितियों के 828 सदस्यों का प्रशिक्षण पूरा करेगी। साथ ही जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स का भी प्रशिक्षण हो रहा है।

मेट्रो एंकर

अगले हफ्ते से पर्यटकों के लिए खुलने को तैयार

नई चमक के साथ लौट रहा लालबाग का दरबार हॉल

इंदौर, दोपहर मेट्रो

इंदौर के ऐतिहासिक लालबाग पैलेस का दरबार हॉल नए रूप में पर्यटकों के सामने आने के लिए तैयार है। करीब दो महीने तक चले संरक्षण और सौंदर्यीकरण कार्य के बाद अगले हफ्ते से इसे पर्यटकों के लिए खोल दिया जाएगा। फिलहाल काम के चलते दरबार हॉल को पर्यटकों के लिए बंद रखा गया था। लालबाग पैलेस के भीतर संरक्षण और फिनिशिंग का कार्य दिल्ली की इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के विशेषज्ञों द्वारा किया गया। पुराने एंटीक्स के संरक्षण के साथ दरबार हॉल के मूल स्वरूप को बनाए रखते हुए सुधार कार्य किए गए। नवंबर में फिनिशिंग और मरम्मत कार्य के चलते इसे बंद किया गया था।

पुराने वैभव के साथ लौट रही शाही चमक- आईजीएनसीए की टीम ने दरबार हॉल को उसके मूल स्वरूप में ही नई चमक दी है। यहां किए गए स्टुको वर्क को पॉलिश और सफाई के साथ रीस्टोर किया गया। इसके लिए बड्स, रूई और छोटे ब्रशों की मदद से बेहद बारीकी से काम किया गया। छत पर लगे पानी के दाग भी साफ किए गए हैं और फॉल सीलिंग के कुछ हिस्सों में सुधार किया गया है।

प्राकृतिक रंगों से हुआ पुनरुद्धार- लालबाग के निर्माण के समय जिन रंगों का उपयोग किया गया था, उन्हीं रंगों को विशेषज्ञों की मौजूदगी में दोबारा लगाया गया है। इसका उद्देश्य लालबाग के ऐतिहासिक और शाही वैभव को यथावत बनाए रखना है, ताकि पर्यटक उसी पुराने दौर की भव्यता का अनुभव कर सकें।

सेंट्रल म्यूजियम का भी हो रहा विकास- लालबाग परिसर स्थित सेंट्रल म्यूजियम में भी विकास कार्य जारी हैं। सिंहस्थ से पहले यहां कई सुविधाओं का विस्तार किया जाना है। बाउंड्रीवाल का करीब 80 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। शेष कार्य स्टोन लगने और पॉलिशिंग के बाद पूरा किया जाएगा। आज कुछ हिस्सों से प्राचीन मूर्तियों को शिफ्ट किया जाएगा, जिसके बाद कैफेटेरिया, नए टिकट काउंटर और क्लॉक रूम का निर्माण कार्य शुरू होगा।

आउटर गार्डन और कन्वेंशन सेंटर पर काम जारी

लालबाग के बाहरी हिस्से और कन्वेंशन सेंटर का कार्य बीते वर्ष जून से मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा किया जा रहा है। यह कार्य सिंहस्थ से पहले पूरा किया जाना है। यहां आउटर गार्डन, फव्वारे, देवी अहिल्याबाई सेंटर फॉर सेल्फ डिफेंस, साइकिलिंग और वॉकिंग ट्रैक विकसित किए जाएंगे। इसके साथ ही पर्यटकों की रुचि बढ़ाने के लिए ओपन थिएटर का प्रस्ताव भी है। लालबाग पैलेस का दरबार हॉल, जिसे दीवान-ए-आम भी कहा जाता है, इंदौर की शाही विरासत का प्रतीक है। इसका इंटीरियर रोकोको शैली से प्रेरित है और इसमें इटली से आयातित सफेद व रंगीन संगमरमर का उपयोग किया गया है।

भीड़ और अकेलापन

यह विडंबना ही है कि जिस दौर को हमने कनेक्टिविटी का स्वर्णयुग कहा, वही दौर मनुष्य को सबसे अधिक अकेला बना रहा है। तकनीक ने दूरियों को पाट दिया, लेकिन दिलों के बीच खिंचती खामोश लकीरें और गहरी हो गईं। आधुनिक समाज में अकेलापन अब एक अस्थायी मनोदशा नहीं, बल्कि जीवन की स्थायी स्थिति बनता जा रहा है - एक ऐसी खामोश महामारी, जो बिना शोर किए रिश्तों की जड़ों को खोखला कर रही है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय के हालिया अध्ययन ने इस कड़वी सच्चाई को सामने रखा है कि विकसित समाजों में दोस्ती, संवाद और आत्मीयता धीरे-धीरे विलुप्त होती जा रही है। बड़ी संख्या में लोग ऐसे हैं जिनके पास कहने को कोई अपना नहीं है, कोई ऐसा कंधा नहीं जिस पर सिर रखकर मन हल्का किया जा सके। दोस्तों के साथ बिताए जाने वाले पल सिमटते जा रहे हैं, और उनकी जगह स्क्रीन, संदेश और आभासी मुस्कानें ले रही हैं। अकेले भोजन करने की बढ़ती आदत और डिजिटल रिश्तों पर बढ़ती निर्भरता इसी भावनात्मक सूखे की कहानी कहते हैं। इस परिवर्तन के पीछे केवल समय की कमी नहीं, बल्कि हमारी बदली हुई प्राथमिकताएं भी हैं। आज काम जीवन का केंद्र बन चुका है। उपलब्धि की दौड़ में इंसान खुद से और अपनों से दूर होता चला गया है। सफलता के शिखर पर पहुंचने की चाह में रिश्ते रास्ते में छूटते जा रहे हैं। माता-पिता बच्चों की परवरिश में इस कदर उलझे हैं कि दोस्ती और सामाजिक जीवन के लिए जगह ही नहीं बची। परिणामस्वरूप, नई पीढ़ी भावनात्मक संवाद से वंचित, अकेलेपन की छाया में बड़ी हो रही है। न्यूरोसाइंस चेतावनी देता है कि अकेलापन केवल मन को नहीं, मस्तिष्क को भी घायल करता है। यह नकारात्मक सोच, भय और अवसाद को जन्म देता है, जिससे व्यक्ति समाज से और अधिक कटता चला जाता है। यह एक ऐसा चक्र है, जिसमें फंसकर मनुष्य खुद ही अपने लिए एक अदृश्य कारागार रच लेता है। भारत भले ही अभी इस संकट की चरम सीमा पर न हो, लेकिन शहरी जीवन की तेज रफ्तार, टूटते संयुक्त परिवार और बढ़ती डिजिटल निर्भरता हमें उसी राह पर ले जा रही है। यदि आज हमने रुककर नहीं सोचा, यदि हमने फिर से दोस्ती, संवाद और साथ के अर्थ को नहीं समझा, तो आने वाली पीढ़ियां भीड़ में घिरे होकर भी भीतर से सूनी होंगी। शायद अब समय आ गया है कि हम एक-दूसरे की आंखों में झांककर बात करें, बिना मोबाइल देखे साथ बैठें, और फिर से रिश्तों को जीना सीखें। क्योंकि अंततः, मनुष्य की सबसे बड़ी जरूरत उपलब्धियां नहीं, बल्कि अपनापन है।

राष्ट्रीय चुनौती बनती डिजिटल धोखाधड़ी निर्णायक और पारदर्शी कदम उठाने की जरूरत

ललित गर्ग
पत्रकार

डिजिटल युग ने भारत की अर्थव्यवस्था और सामाजिक जीवन को अभूतपूर्व गति प्रदान की है। मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, ई-कॉमर्स और ऑनलाइन सेवाओं ने लेन-देन को सरल, त्वरित और पारदर्शी बनाया है। आज एक सामान्य नागरिक भी कुछ सेकंड में देश के किसी भी कोने में धन भेज सकता है, बिल जमा कर सकता है या निवेश कर सकता है। यही डिजिटल क्रांति 'नए भारत' और 'विकसित भारत' की आधारशिला मानी जा रही है। किंतु इसी क्रांति के साथ एक गहरी विडंबना भी उभरकर सामने आई है-डिजिटल धोखाधड़ी और साइबर लूट की भयावह बढ़ोतरी। हजारों करोड़ रुपये की ऑनलाइन ठगी की घटनाएँ न केवल आमजन को आर्थिक रूप से आहत कर रही हैं, बल्कि देश की आर्थिक सुरक्षा और वित्तीय प्रणाली की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगा रही हैं।

डिजिटल व्यवस्था की मूल आत्मा 'विश्वास' है। जब कोई व्यक्ति मोबाइल स्क्रीन पर उभरे एक क्यूआर कोड को स्कैन करता है या किसी लिंक पर क्लिक करता है, तो वह केवल तकनीक पर ही नहीं, बल्कि उस संपूर्ण तंत्र पर भरोसा करता है जो उसे सुरक्षित लेन-देन का आश्वासन देता है। किंतु जब यही विश्वास ठगी, फर्जी कॉल, फिशिंग, निवेश घोटालों और पहचान चोरी के कारण टूटने लगता है, तब डिजिटल विकास की पूरी अवधारणा कमजोर पड़ने लगती है। यदि बैंकिंग व्यवस्था में नकली नोटों की भरमार हो जाए तो मुद्रा पर विश्वास डगमगा जाता है, उसी प्रकार यदि डिजिटल लेन-देन में ठगी सामान्य अनुभव बन जाए, तो नागरिक डिजिटल माध्यमों से दूरी बनाने लगते हैं। यह स्थिति केवल व्यक्तिगत हानि का प्रश्न नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आर्थिक ढांचे के लिए भी खतरे की घंटी है। परंपरागत अपराधों और डिजिटल अपराधों की तुलना करें तो दोनों के स्वरूप और प्रभाव में महत्वपूर्ण अंतर दिखाई देता है। पहले चोरी या डकैती किसी सीमित भौगोलिक क्षेत्र तक सीमित होती थी, अपराधी की पहचान अपेक्षाकृत स्पष्ट होती थी और जांच प्रक्रिया स्थानीय स्तर पर संचालित होती थी। डिजिटल अपराधों में अपराधी अदृश्य है, वह किसी दूसरे राज्य या देश में बैठकर वारदात कर सकता है, और कुछ मिनटों में सैकड़ों लोगों को निशाना बना सकता है। पारंपरिक अपराध में जोखिम अपराधी के लिए अधिक था, डिजिटल अपराध में जोखिम कम और लाभ अधिक है। यही असंतुलन इसे अत्यंत खतरनाक बनाता है।

एक अन्य तुलनात्मक पक्ष यह है कि डिजिटल अपराधों में पीड़ित की मनोवैज्ञानिक स्थिति भी अलग होती है। ठगी का शिकार व्यक्ति स्वयं को अपराधी के सामने असहाय पाता है। पुलिस और साइबर क्राइम कार्यालयों के चक्कर लगाने के बाद भी जब उसे तकनीकी कारणों का हवाला देकर लौटा दिया जाता है, तो उसके भीतर व्यवस्था के प्रति गहरा अविश्वास जन्म लेता है। कई मामलों में यह देखा गया है कि शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया जटिल है, समुचित मार्गदर्शन नहीं मिलता, और समय पर कार्रवाई न होने से धन की रिकवरी असंभव हो जाती है। इससे यह धारणा बनती है कि डिजिटल अपराध का कोई वास्तविक दंड नहीं है। सरकार और न्यायपालिका ने समय-समय पर इस समस्या की गंभीरता को स्वीकार किया है। शीर्ष अदालत द्वारा ऑनलाइन धोखाधड़ी को आर्थिक सुरक्षा से जोड़कर देखना इस बात का संकेत है कि यह केवल व्यक्तिगत अपराध नहीं, बल्कि संगठित आर्थिक आक्रमण भी हो सकता है। किंतु नीति-निर्माण और क्रियान्वयन के बीच की दूरी अभी भी बनी हुई है। अनेक प्लेटफार्म और हेल्पलाइन स्थापित किए गए हैं, परंतु उनकी कार्यप्रणाली में त्वरित प्रतिक्रिया, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व की कमी स्पष्ट दिखती है। यदि शिकायत के बाद प्रारंभिक 'गोल्डन ऑवर' में ही बैंक खाते फ्रीज करने और ट्रांजैक्शन ट्रैक करने की प्रभावी व्यवस्था न हो, तो बाद की प्रक्रिया औपचारिकता बनकर रह जाती है।

वित्तीय प्रणाली की दृष्टि से देखें तो डिजिटल धोखाधड़ी का बढ़ना निवेश, उपभोग और बैंकिंग व्यवहार पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। यदि आमजन को यह आशंका सताने लगे कि ऑनलाइन निवेश योजनाएँ या भुगतान सुरक्षित नहीं हैं, तो वह नकद लेन-देन की ओर लौट सकता है। यह प्रवृत्ति सरकार की कैशलेस अर्थव्यवस्था की नीति को कमजोर करेगी। इसके अतिरिक्त, विदेशी निवेशकों के लिए भी यह संकेत नकारात्मक हो सकता है कि साइबर सुरक्षा का ढांचा पर्याप्त सुदृढ़ नहीं है। अतः यह केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि आर्थिक नीति का भी केंद्रीय प्रश्न है। समाधान के स्तर पर तुलनात्मक रूप से देखें तो विकसित देशों ने साइबर सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा के दायरे में रखा है। वहाँ विशेषीकृत एजेंसियाँ, उच्च प्रशिक्षित तकनीकी विशेषज्ञ, त्वरित डेटा साझा करने की प्रणाली और सख्त दंडात्मक प्रावधान हैं। भारत में भी साइबर क्राइम ब्यूरो और डिजिटल सुरक्षा तंत्र मौजूद हैं, परंतु उनकी क्षमता, संसाधन और प्रशिक्षण को और अधिक सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता है। स्थानीय पुलिस बल को केवल पारंपरिक अपराधों की नहीं, बल्कि डिजिटल फॉरेंसिक, ब्लॉकचेन ट्रैकिंग और डेटा विश्लेषण की भी विशेषज्ञता दी जानी चाहिए। जब तक जांच एजेंसियाँ तकनीकी रूप से अपराधियों से एक कदम आगे नहीं होंगी, तब तक रोकथाम कठिन रहेगी।

अंततः डिजिटल क्रांति का उद्देश्य सुविधा, पारदर्शिता और समृद्धि है। यदि यही क्रांति भय, असुरक्षा और अविश्वास का कारण बनने लगे, तो उसका नैतिक औचित्य कमजोर पड़ जाएगा। भारत जैसे विशाल देश में डिजिटल परिवर्तन को रोकना संभव नहीं, और न ही यह वांछनीय है। किंतु इसे सुरक्षित और विश्वसनीय बनाना अनिवार्य है। सरकार को नीति, तकनीक और प्रशासन-तीनों स्तरों पर समन्वित रणनीति अपनानी होगी। साइबर अपराध के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई, पीड़ितों को समयबद्ध राहत, जांच एजेंसियों का सशक्तीकरण और वित्तीय संस्थानों की जवाबदेही-ये सब मिलकर ही धोखाधड़ी मुक्त डिजिटल परिवेश का निर्माण कर सकते हैं। डिजिटल भारत की सफलता केवल ऐप्स और आंकड़ों से नहीं, बल्कि उस विश्वास से मापी जाएगी जो नागरिक अपने मोबाइल स्क्रीन पर उभरते हर ट्रांजैक्शन संदेश के साथ महसूस करता है। यदि यह विश्वास सुरक्षित रहा, तो डिजिटल क्रांति राष्ट्र को नई ऊँचाइयों पर ले जाएगीय यदि यह टूट गया, तो समृद्धि का सपना भी अधूरा रह जाएगा। अतः समय की मांग है कि डिजिटल धोखाधड़ी को एक राष्ट्रीय चुनौती मानकर उसके समाधान की दिशा में ठोस, निर्णायक और पारदर्शी कदम उठाए जाएँ, ताकि विकसित भारत की आधारशिला मजबूत और अडिग रह सके।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

खोखले आपसी स्वार्थ और कपट पर टिकी लिव इन रिलेशनशिप की बुनियाद, अपराधों को बढ़ावा

मनोज कुमार अग्रवाल
स्तंभकार

हाल ही में एक ऐसा मामला सामने आया है जिस में शार्ट फिल्मों में काम दिलाने के बहाने सनी युवतियों को शिकार बनाता था। इसके बाद उन्हें देह व्यापार के दलदल में धकेल देता था। पुलिस ने सनी के साथ उसकी मां रंजना और मां के प्रेमी प्रदीप को गिरफ्तार कर लिया है। इस वारदात के मूल में लिवइन जिम्मेदार है।

आगरा के थाना खंदौली के यमुना एक्सप्रेसवे टोल प्लाजा के पास शुक्रवार को कंबल में लपेटकर फेंके गए महोबा की सोनाली के शव के मामले में पुलिस ने महिला के साथ लिव इन में रहने वाले प्रेमी सनी, उसकी मां रंजना और मां के प्रेमी प्रदीप को जेल भेजा है। मामले में मृतका की बहन भारती ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पूछताछ में सामने आया है कि सनी शार्ट फिल्मों में काम दिलाने के बहाने युवतियों को जाल में फंसाकर देहव्यापार करवाता था। दूसरी युवती से दोस्ती का विरोध करने पर उसने सोनाली की हत्या कर दी थी। दूसरा मामला मध्यप्रदेश में इंदौर के सुगनीदेवी कॉलेज परिसर में गंभीर हालत में मिली युवती की इलाज के दौरान मौत हो गई। युवती को राहगीरों ने घायल अवस्था में एमवाय अस्पताल पहुंचाया था। उसके हाथों और शरीर पर कई टैटू बने हुए थे, वहीं शरीर पर ब्लेड से काटने के निशान भी पाए गए थे। शुरुआती जांच में डॉक्टरों को उसके साथ ज्यादती की आशंका हुई, जिसके चलते सैंपल भी लिए गए थे। पुलिस जांच में सामने आया कि युवती पर हमला उसके लिव-इन पार्टनर ने किया था। आरोपी ने हत्या की नीयत से पत्थर से वार किया था। देर रात इलाज के दौरान युवती ने दम तोड़ दिया।

लिव-इन रिलेशनशिप या सहमति संबंध एक ऐसी व्यवस्था है, जिसमें स्त्री-पुरुष बिना विवाह किए पति-पत्नी की भांति रहने के साथ-साथ आपस में शारीरिक संबंध भी बना लेते हैं व कई तो बच्चे भी पैदा कर लेते हैं।

आपसी सहमति से कायम ऐसे संबंध पश्चिमी देशों में आम बात है। उनकी देखा-देखी भारत जैसे देशों में भी यह बुराई फैलने लगी है, जिसके दुखद परिणाम निकलने लगे हैं। लिव-इन रिलेशन में रहने वाले अपने पार्टनर की हत्या करने से भी संकोच नहीं करते पिछले दिनों में लगातार ऐसी वारदातों की झड़ी लगी हुई है। आपको ऐसी कुछ और वारदातों से अवगत कराते हैं 27 नवम्बर, 2025 को दिल्ली के छावला इलाके में वीरेंद्र सिंह नामक व्यक्ति को जब उसकी लिव-इन पार्टनर ने शराब पीने से रोका तो वीरेंद्र सिंह ने गुस्से में आकर उसका गला दबा दिया जिससे उसकी मौत हो गई। 30 नवम्बर, 2025 को चेन्नई (तमिलनाडु) में अपने पति को छोड़ कर गोविंदराज नामक व्यक्ति के साथ लिव-इन में रहने वाली प्रियंका नामक युवती ने किसी बात पर विवाद के चलते गोविंदराज को मार डाला। 8 दिसम्बर, 2025 को लखनऊ (उत्तर प्रदेश) में रत्ना नामक विधवा ने अपनी 18 और 14 वर्षीय 2 बेटियों की सहायता से अपने लिव-इन प्रेमी सूर्य प्रताप सिंह की गला काट कर हत्या कर दी और पुलिस को बताया कि वह उसकी बड़ी बेटी पर बुरी नजर रखता था।

4 जनवरी, 2026 को ग्रेटर नोएडा (उत्तर प्रदेश) में दक्षिण कोरिया के एक नागरिक की चाकू से गोद कर हत्या कर देने के आरोप में उसकी मणिपुर निवासी लिव-इन पार्टनर को पुलिस ने गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार मृतक शराब पीने का आदी था और अक्सर युवती से मारपीट करता था जिसका अंजाम इस दुखद घटना के रूप में निकला। 8 जनवरी, 2026 को झांसी (उत्तर प्रदेश) में प्रीति नामक महिला के साथ लिव-इन में रह रहे रिटायर्ड रेलवे कर्मचारी राम सिंह को प्रीति की हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।12 जनवरी, 2026 को गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) में आरती नामक महिला की हत्या के आरोप में उसके लिव-इन पार्टनर प्रवीण कुमार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार दोनों में शराब पीने के बाद किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया जिस पर प्रवीण कुमार ने आरती की पसलियों और छाती पर ताबड़तोड़ वार करके उसे मार डाला।18 जनवरी, 2026 को बिजनौर (उत्तर प्रदेश) के चांदपुर मेंशीतल नामक एक महिला ने अपने लिव-इन पार्टनर हरिओम सिंह की हत्या कर दी। पुलिस द्वारा पूछताछ के दौरान शीतल ने बताया कि रिलेशन के दौरान जब उसे गर्भ ठहरा तो हरिओम सिंह ने उसका गर्भपात करवा दिया और शादी के लिए बार-बार कहने पर भी वह मान नहीं रहा था। इस कारण वह नाराज होकर 15 जनवरी को अपने घर चली गई थी।घटना के दिन वह चांदपुर लौटी। दोनों ने पहले शराब पी। फिर दोनों के बीच झगड़ा हुआ और शीतल ने शादी के लिए दोबारा दबाव बनाया तो हरिओम ने खुद को फांसी लगाने की धमकी देते हुए घर के बैड पर खड़े होकर अपने गले में फंदा डाल लिया। यह देख गुस्से में आई शीतल ने उसके पैरों में यह कहते हुए लात मार दी कि मैं ही तुझे मार देती हूं।

इससे वह फांसी पर झूल गया और दम घुटने से उसकी मौत हो गई। इसके बाद वह मोहल्ले के कुछ लोगों के साथ शव को खुद ही अपने साथ लेकर अस्पताल पहुंची और आत्महत्या की कहानी गढ़ दी लेकिन अंततः उसका भेद खुल गया और शीतल पकड़ी गई।

उच्च प्राचीन भारतीय संस्कृति को देखते हुए निःसंकोच यह बात कही जा सकती है कि लिव-इन रिलेशन किसी भी दृष्टि से भारतीय परिवारों के अनुकूल नहीं है। यह एक ऐसी बुराई है जिसका परिणाम दुखद ही निकलता है। अतः इस तरह के रिश्ते बनाने से बचना ही बेहतर है।आए दिन हो रही वारदातों से पता चलता है कि लिव-इन रिलेशनशिप की बुनियाद बेहद खोखले आपसी स्वार्थ और कपट पर टिकी हुई है और भारतीय समाज में अपराध को जन्म दे रही है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

सुविचार

हार मान लेना आसान है,पर चलते रहना मुश्किल,गर जीत हमेशा उसी की होती है जो चलता रहता है।
-अज्ञात

निशाना

कौन पुतिन क्या ट्रम्प है..!

चौधरी मदन मोहन समर

मलयागिर की गंध से,
हिमगिरि का अभिषेक।
मेघ, मरुस्थल, वन, हवा,
पूरब-पश्चिम एक।
दुनिया हमको देखती,
ले आशा की डोर।
भारत के गणतंत्र की,
सदा सुनहरी भोर।
कौन पुतिन क्या ट्रंप है,
क्या जिनपिंग का भार।
भारत के गणतंत्र से,
दुनिया का उद्धार।
भेद हमारे हों भले,
पर न हो विद्वेष।
शपथ उठाकर सब कहें,
जय जय भारत देश।
तंत्र हमारा शुद्ध हो,
गण सक्षम संयुक्त।
सदनों में बैठें वही,
जो इनके उपयुक्त।
आज तिरंगा थाम कर,
सबको खूब बधाई।
राग देश में झूम लें,
पछुआ व पुरवाई।

हेल्थ वाच

स्मार्ट वॉच बता सकेगी डायबिटीज का खतरा, दुबई में चल रही है खास टेस्टिंग

दुबई में एक ऐसी स्मार्टवॉच की टेस्टिंग चल रही है, जो लोगों को डायबटीज रिस्क के बारे में बताएगी। वर्ल्ड हेल्थ एक्सपो (WHX) 2026 में डायबिटीज के खतरे का पता लगाने के लिए स्मार्टवॉच टेक्नोलॉजी के बारे में बताया गया है। इसका मकसद बढ़ते डायबिटीज संकट से निपटना है। दुनिया भर में लाखों लोगों को यह भी नहीं पता चल पाता है कि उन्हें डायबटीज का खतरा है। इस कारण स्मार्टवॉच टेक्नोलॉजी के जरिए लोगों की मदद की जा रही है। इसके लिए नए स्टडी हो रही है, जिसमें स्मार्टवॉच की टेस्टिंग हो रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि वॉच डायबटीज रिस्क के बारे में कितनी सटीक जानकारी दे सकती है।

आजकल मार्केट में अलग-अलग तरह के गैजेट्स आते हैं। स्मार्टवॉच के जरिए लोग अपनी कई हेल्थ एक्टिविटीज को ट्रैक कर पाते हैं। दुनिया में डायबटीज के मरीज दिन प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं। इससे निपटने के लिए नई स्मार्टवॉच टेक्नोलॉजी पर काम चल रहा है।

Gulf News की रिपोर्ट के अमुसार, दुबई हेल्थ के तहत मोहम्मद बिन राशिद यूनिवर्सिटी (MBRU) में असिस्टेंट प्रोफेसर और एंडोक्राइनोलॉजी डायबिटीज स्पेशलिस्ट डॉ. मरियम अल सईद ने बताया कि रिसर्च में 150 मरीजों और वॉलंटियर्स पर Huawei Watch GT 6 Pro को टेस्ट किया जाएगा। यह टेस्टिंग इसलिए है ताकि यह देखा जा सके कि वॉच बढ़े हुए ब्लड ग्लूकोज लेवल को पहचानने में कितनी सही है।

टेस्टिंग में शामिल होंगे कई लोग: इस ट्रायल में 50 हेल्दी वॉलंटियर्स, 50 जाने-माने डायबिटीज के मरीज के साथ दुबई हेल्थ हॉस्पिटल और शहर भर के प्राइमरी हेल्थकेयर सेंटर से 50 प्री-डायबिटीज वाले मरीज भी शामिल होंगे। डॉ. सईद ने प्री-डायबिटीज ग्रुप में खास दिलचस्पी दिखाई। बता दें कि यह ग्रुप उन लोगों का है, जिनका ब्लड शुगर लेवल कभी ज्यादा और कभी कम हो सकता है और जिन्हें अपनी हालत के बारे में पता हो भी सकता है और नहीं भी। स्टडी में स्मार्टवॉच की रीडिंग की तुलना ट्रेडिशनल कैपिलरी ग्लूकोज मॉनिटर से की जाएगी। यह वह टेस्ट होता है, जिसमें एक्यूरेसी टेस्ट करने के लिए उंगली पर सुई चुभाते हैं और बल्ड की एक बूंद से टेस्ट किया जाता है। बता दें कि Huawei ने WHX में Huawei Health Strateg4 and Research Platform इवेंट में Huawei Watch GT 6 Pro के लिए डायबिटीज रिस्क के नए फीचर की घोषणा की थी।

नॉलेज

2000 साल पहले व्यापार और पर्यटन के लिए मिस्र जाते थे भारतीय, मकबरों पर मिले पुराने निशान

इतिहास की किताबों में अब तक हमने भारत और मिस्र (Egypt) के बीच व्यापारिक संबंधों के बारे में पढ़ा था, लेकिन हाल ही में हुई एक खोज ने इसे और भी रोमांचक बना दिया है। स्विट्जरलैंड और फ्रांस के शोधकर्ताओं ने मिस्र की मशहूर 'वैली ऑफ किंग्स' में स्थित मकबरों पर 2,000 साल पुराने तमिल-ब्राह्मी शिलालेख खोज निकाले हैं। यह खोज साबित करती है कि प्राचीन काल में भारतीय व्यापारी न केवल मिस्र के बंदरगाहों तक जाते थे, बल्कि वे वहां के पर्यटन स्थलों और संस्कृति में भी गहरी रुचि रखते थे।

स्विस विद्वान इंगो स्ट्रॉच और फ्रांसीसी शोधकर्ता शार्लोट श्मिट ने इन शिलालेखों को खोजा और डिकोड किया है। उन्होंने पाया कि करीब 2,000 साल पहले एक तमिल व्यापारी ने मिस्र के राजाओं (फराओ) के मकबरों की यात्रा की थी। उसने छह में से पांच मकबरों में आठ अलग-अलग जगहों पर अपना नाम 'सिगाई कोरन' (Cikai Korran) खुरचकर लिखा था। तमिल में 'सिगाई' का अर्थ मुकुट या चोटी होता है और 'कोरन' का अर्थ नेता या राजा होता है। टाइम्स ऑफ इंडिया में छपी रिपोर्ट के अनुसार, एक जगह पर 'सिगाई कोरन- वरा कांत' लिखा मिला है, जिसका अर्थ है 'वह आया और उसने देखा'। शोधकर्ताओं का मानना है कि यह व्यापारी संभवतः ग्रीक भाषा भी समझता था, क्योंकि उसने ग्रीक शिलालेखों की शैली की नकल करते हुए अपना नाम वहां उकेरा था।

सिर्फ व्यापार नहीं, टूरिज्म भी : यूनिवर्सिटी ऑफ लॉजेन के प्रोफेसर इंगो स्ट्रॉच ने बताया कि अब तक हमें केवल मिस्र के तटीय बंदरगाहों पर तमिल व्यापारियों के होने के सबूत मिले थे। लेकिन वैली ऑफ किंग्स जैसे अंदरूनी इलाकों में इन शिलालेखों का मिलना यह दर्शाता है कि तमिल व्यापारी वहां लंबे समय तक रुकते थे। वे केवल सामान बेचने और खरीदने नहीं आते थे, बल्कि वहां की वास्तुकला और इतिहास को देखने के लिए मीलों पैदल यात्रा भी करते थे। शोधकर्ताओं ने वैली ऑफ किंग्स में कुल 30 शिलालेख खोजे हैं, जिनमें से 20 तमिल में हैं। बाकी शिलालेख संस्कृत, प्राकृत और गांधारी-खरोष्ठी भाषाओं में हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि उस समय केवल दक्षिण भारत ही नहीं, बल्कि गुजरात, महाराष्ट्र और उत्तर-पश्चिम भारत के व्यापारी भी रोमन काल के दौरान मिस्र की यात्रा करते थे। एक संस्कृत शिलालेख में पश्चिमी भारत के 'क्षहरात' (Kshaharata) राजवंश के दूत का भी उल्लेख है, जो पहली शताब्दी ईस्वी के दौरान वहां पहुंचा था. वरिष्ठ पुरालेखवेत्ता वाई. सुब्बारायलू और पुरातत्वविद् वी. सेल्वाकुमार के अनुसार, यह खोज 'टू-वे ट्रेड' का पुख्ता प्रमाण है। अब तक यह माना जाता था कि केवल रोमन व्यापारी भारत आते थे, लेकिन अब यह साफ है कि भारतीय व्यापारी भी उतनी ही सक्रियता से रोम और मिस्र के साम्राज्य तक पहुंच रहे थे।

AI अपडेट

AI की दुनिया में नई खोज से घट जाएंगे खर्चे दवा-इलाज और खेती पर होगा बड़ा असर

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (AI) अब सिर्फ मोबाइल या कंप्यूटर तक सीमित नहीं रहा। यह सीधे आम लोगों की जेब, सेहत और रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करने लगा है। हाल ही में GPT-5 नाम के अडवांस AI सिस्टम ने ऐसी खोज की है, जिससे दवाइयों, इलाज, खेती और कई जरूरी चीजों की लागत कम हो सकती है। GPT-5 ने प्रोटीन बनाने की महंगी प्रक्रिया को काफी सस्ता बना दिया। अक्सर लोग प्रोटीन को सिर्फ जिम या सप्लीमेंट से जोड़कर देखते हैं, लेकिन हकीकत इससे कहीं ज्यादा है। डायबिटीज में इस्तेमाल होने वाली इंसुलिन, कैंसर की कई दवाइयां, कोविड जैसे रोगों के टेस्ट, मेडिकल जांच किट, रिसर्च लैब, खेती में काम आने वाले एंजाइम और यहां तक कि कपड़े धोने के डिटर्जेंट, इन सभी में किसी न किसी रूप में प्रोटीन का इस्तेमाल होता है। यानी अगर प्रोटीन सस्ते बनेंगे, तो इन सबकी कीमत भी कम हो सकती है।

प्रोटीन बनाने की लागत तक कम हुई: आमतौर पर प्रोटीन बनाने के लिए जीवित कोशिकाओं को पालना पड़ता है, जिसमें काफी समय और पैसा लगता है। लेकिन GPT-5 ने Ginkgo Bioworks नाम की कंपनी के साथ मिलकर सेल-फ्री प्रोटीन सिंथेसिस (CFPS) नाम की तकनीक को ज्यादा किफायती बना दिया। इस नई प्रक्रिया से प्रोटीन बनाने की कुल लागत करीब 40% तक कम हो गई है, जबकि इस्तेमाल होने वाले केमिकल्स की कीमत में 57% तक की गिरावट आई है।

यानी, CFPS तकनीक से जीवित कोशिकाओं को उगाने की बजाय सीधे प्रोटीन बनाने वाली मशीनरी का इस्तेमाल किया गया। GPT-5 ने केवल 3 राउंड में यह समाधान खोज लिया। इस खोज के लिए AI मॉडल को कंप्यूटर, ब्राउजर और कुछ रिसर्च पेपर्स तक का एक्सेस दिया गया था। इसके बाद AI ने तय किया कि अगला प्रयोग क्या होना चाहिए और क्लाउड लैब में रोबॉट्स ने 580 प्लेट्स पर 36 हजार से ज्यादा प्रयोग करके इस खोज को सबके सामने रखा। इसका सबसे बड़ा असर दवाइयों की कीमत पर पड़ेगा। इंसुलिन, कैंसर और दूसरी आधुनिक बायोलॉजिकल दवाइयां सस्ती बन सकेंगी, जिससे इलाज ज्यादा लोगों की पहुंच में आ पाएगा। दूसरा फायदा, मेडिकल टेस्ट और डायग्नोस्टिक किट्स में दिखेगा। जब प्रोटीन सस्ते होंगे, तो जांच भी सस्ती होगी। इससे छोटे शहरों और गांवों तक बेहतर और किफायती मेडिकल टेस्ट पहुंच सकेंगे। तीसरा फायदा, इंडस्ट्री और पर्यावरण से जुड़ा है। कई फैक्ट्रियां अब केमिकल्स की जगह एंजाइम का इस्तेमाल करती हैं, जो पर्यावरण के लिए ज्यादा सुरक्षित होते हैं। अगर ये एंजाइम सस्ते होंगे, तो प्रदूषण कम करने वाली तकनीकें भी आम हो सकेंगी।

इस खोज का एक और बड़ा मतलब यह है कि भविष्य में रिसर्च की रफ्तार तेज होगी। जब वैज्ञानिकों को हर प्रयोग पर ज्यादा खर्च नहीं करना पड़ेगा, तो वे ज्यादा नए आइडिया आजमा पाएंगे। इसका सीधा फायदा समाज को नई दवाओं, बेहतर इलाज और सस्ते उत्पादों के रूप में मिलेगा।

न्यूज विंडो

बेतवा नदी से जलकुंभी हटाने का अभियान शुरू

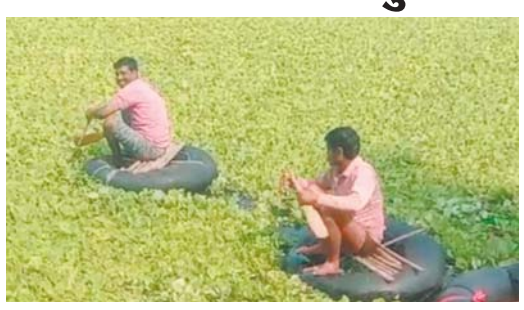

मंडीदीप। भारत सरकार के जल गंगा मिशन के अंतर्गत बेतवा नदी को स्वच्छ और अविरल बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। ग्रामीण विकास मंत्रालय के जॉइंट सेक्रेटरी नितिन खाड़े ने गत दिवस रायसेन जिले में बेतवा नदी के उद्गम स्थल का निरीक्षण किया था। इस दौरान उन्होंने मंडीदीप, औबेल्लागंज, भोजपुर सहित अन्य क्षेत्रों में नदी की वर्तमान स्थिति, जल गुणवत्ता, तटों की दशा और प्रदूषण के प्रमुख कारणों का जायजा लिया। केंद्रीय टीम की इस फटकार के बाद नगर पालिका ने तुरंत कार्रवाई करते हुए कालियासोत नदी से जलकुंभी (वाटर हायसिंथ) हटाने का अभियान शुरू कर दिया है। यह अभियान नदी के प्रवाह को सुचारू बनाने, जल प्रदूषण कम करने और पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। जल गंगा मिशन के तहत बेतवा नदी पर विशेष फोकस किया जा रहा है, क्योंकि यह मध्य प्रदेश की प्रमुख नदियों में से एक है और कई शहरों व ग्रामीण क्षेत्रों के लिए जीवनदायिनी बनी हुई है। स्थानीय प्रशासन और जनसहयोग से इस अभियान को सफल बनाने के प्रयास जारी हैं, ताकि नदी अपनी प्राकृतिक स्वच्छता और निरंतरता को पुनः प्राप्त कर सके।

जनसुनवाई में लोगों की समस्याएं सुनकर किया तत्काल समाधान

नर्मदापुरम। नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देशन में नपा में जनसुनवाई की शुरूआत की गई है। जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। गुरुवार को कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी द्वारा नगरपालिका में जनसुनवाई की गई। जिसमें पीएम आवास योजना, नाली निर्माण, राशन कार्ड समर्पण, पेयजल संबंधी समस्याओं के आवेदनों का तत्काल प्रभाव से समाधान किया गया। सोनी ने बताया कि जनसुनवाई में छोटी छोटी समस्याएं आई थी उनका समाधान किया गया है।

रतवाड़ा के किसानों से कमिश्नर ने लिया नहर सिंचाई, नरवाई प्रबंधन का फीडबैक

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर श्री कृष्ण गोपाल तिवारी ने सिवनी मालवा के ग्राम रतवाड़ा पहुंचकर किसानों के बीच नहरों से सिंचाई की स्थिति और नरवाई प्रबंधन का जायजा लिया। उन्होंने मूंग फसल के विकल्प अपनाने, नहरों को पूर्ण फ्लो से चलाने तथा नरवाई जलाने से बचने पर किसानों को समझाया। कमिश्नर ने किसानों को मूंग लगाने के बजाय अन्य कम अवधि वाली फसलें चुनने की सलाह दी। मूंग की सफाई के लिए अत्यधिक रसायनों और सफाई का उपयोग मिट्टी के पोषक तत्व नष्ट करता है, जबकि कीटनाशकों से दाल हानिकारक हो जाती है। किसानों ने बताया कि मूंग 30-40 दिनों में तैयार हो जाती है, लेकिन शासन से बेहतर विकल्प और पर्याप्त नहर पानी मिलने पर वे तैयार हैं। वही टेल एरिया में नहर का पानी कम फ्लो से देरी से पहुंच रहा है। कमिश्नर ने जल संसाधन विभाग के ईई अंकित श्रॉफ एवं राजश्री कटारे को नहरों को पूरे फ्लो से चलाने के निर्देश दिए, ताकि सभी किसानों को समान पानी मिले। इससे नहर मरम्मत का समय भी बनेगा। नर्मदापुरम नरवाई जलाने में प्रदेश में शीर्ष पर है। कमिश्नर ने सुपर सीडर व हैप्पी सीडर मशीनों का उपयोग करने को कहा, जो अनुदान पर उपलब्ध हैं। 4-5 किसान इन्हें खरीदकर साझा करें, ताकि मिट्टी सुरक्षित रहे।रतवाडा के हुकम सिंह, पूर्व सरपंच सुप्यार सिंह व शैलेंद्र सिंह ने गर्मी में पानी की कमी बताई।

महाशिवरात्रि मेले में नर्मदापुरम पुलिस ने की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

पचमढ़ी। महाशिवरात्रि पर्व के दौरान पचमढ़ी में आयोजित महाशिवरात्रि मेले में श्रद्धालुओं की सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए नर्मदापुरम पुलिस ने पुख्ता इंतजाम किए हैं। मेले क्षेत्र में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है, जिसमें भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन, पार्किंग स्थल, मंदिर परिसर और प्रमुख मार्गों पर अधिकारी-जवानों की ड्यूटी लगाई गई है। संपूर्ण मेले को 6 सेक्टरों में विभाजित कर 450 पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। जिले के पुलिस बल के अलावा पुलिस मुख्यालय से विशेष सशस्त्र बल के जवान भी ड्यूटी पर हैं। सुरक्षा बल दो शिफ्टों में कार्यरत हैं, जबकि 10 वाहनों से नियमित पेट्रोलिंग की जा रही है। पिपरिया-पचमढ़ी मार्ग पर विशेष यातायात बिंदु स्थापित कर कन्वॉय के माध्यम से आवागमन सुचारू रखा जा रहा है। पुलिस की तत्परता से परिजनों से बिछड़े 23 बच्चों को सकुशल उनके अभिभावकों को सौंप दिया गया। पुलिस अधीक्षक साई कृष्णा भापुसे के मार्गदर्शन, एएसपी अभिषेक राजन के निर्देशन और अनुविभागीय अधिकारी पुलिस पिपरिया मोहित यादव के पर्यवेक्षण में ये इंतजाम किए गए हैं।

जिम्मेदारों की अनदेखी: शहर में जगह-जगह लगा गदंगी का अंबार

खेल मैदान तक पहुंचा नगर पालिका के कूड़े का ढेर, खिलाड़ियों-बच्चों में बढ़ रहा आक्रोश

अजय आहूजा। मंडीदीप

औद्योगिक शहर में नगर पालिका की लापरवाही और कचरा प्रबंधन की पूरी विफलता अब चरम पर पहुंच गई है। शहर के विभिन्न हिस्सों में जगह-जगह खुले में कचरा डंप किया जा रहा है, जिससे स्थानीय निवासियों का जीवन दूभर हो गया है। औद्योगिक क्षेत्र, हाईवे के किनारे डंपिंग के बाद अब नपा ने मंगल बाजार स्थित शासकीय स्कूल के खेल मैदान को भी कचरा डंपिंग साइट बना दिया है।

यह खेल मैदान शहर के बच्चों, युवा खिलाड़ियों और मॉर्निंग वॉक करने वालों के लिए एकमात्र उपलब्ध जगह है, लेकिन नगर पालिका की इस हरकत से यहां गंदगी का अंबार लग गया है। यहां अभ्यास करने वाले खिलाड़ियों ने कहा नपा ने यहां कचरा डंप करना बंद नहीं किया तो इससे फैलने वाली बदबू, मक्खियां और कीटाणुओं से भरा माहौल बच्चों के खेलने लायक नहीं रहेगा। वरिष्ठ हॉकी खिलाड़ी उत्तम डागौर ने कहा कि 30 साल हो गए, नगर पालिका बच्चों को एक अच्छा खेल मैदान देने में नाकाम रही और अब जो एकमात्र मैदान बचा है, उसे भी कचरा घर बनाने पर तुली हुई है। उन्होंने कहा कि बच्चे यहां कैसे खेलेंगे, गंदगी में खेलकर स्वास्थ्य बिगाड़ें क्या। जानकारी के अनुसार नगरपालिका सालों से शहर के बाहर ट्रेंचिंग ग्राउंड बनाने की कवायद में जुटी है, लेकिन काम धीमा है। नपा ने गुराड़िया में स्थित ट्रेंचिंग ग्राउंड में कचरा डंपिंग शुरू की थी कि नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि ने अपने एक रिश्तेदार की कंपनी से आए सड़े-गले बेस्ट (कचरा) को रातोंरात यहां डलवा दिया। इससे क्षेत्र में असहनीय बदबू और मक्खियों का प्रकोप फैल गया, जिसके बाद ग्रामीणों ने पुरजोर विरोध किया और डंपिंग रोक दी गई। मंडीदीप नगर पालिका का कचरा प्रबंधन पहले भी कई बार सुर्खियों में रहा है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने 40 ब्लॉक स्थित वन भूमि पर कचरे की अवैध डंपिंग के लिए 60 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था, लेकिन जुर्माना अभी तक बकाया है। खुले में कचरा फेंकने पर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने भी फटकार लगाई थी, बावजूद इसके नपा कचरा प्रबंधन में लगातार नाकाम हो रही है।

> नपा द्वारा शहर के एक लौते खेल मैदान पर कचरा डंप करना पूरे शहर के लिए शर्मसार करने वाला मामला है। इसे तत्काल प्रभाव रोका जाना चाहिए।
> -**मनीष मालवीय**, पूर्व खिलाड़ी एवं कांग्रेस नेता
>
> खेल मैदान पर प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में लोग मॉर्निंग वॉक करने जाते हैं। यहां कचरा फेंकने से वातावरण प्रदूषित होगा जिससे सभी को परेशानी होगी।
> -**राजेंद्र राठौर**, रहवासी इंदिरा नगर
>
> मैदान पर कचरा डालने की घटना को गंभीरता से लिया है, संबंधित वाहन चालक को नोटिस दिया है। वहीं ट्रेंचिंग ग्राउंड भी तैयार हो गया है जहां जल्दी कचरे की डंपिंग शुरू हो जाएगी।
> -**जावेद खान**, स्वच्छता प्रभारी नपा

नेत्र शिविर में 153 की जांच, 47 को ऑपरेशन के लिए भेजा

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

स्थानीय मील रोड स्थित सदुरु विज़न सेंटर पर स्वर्गीय नारायण सदाशिव पिंगले सेवा संस्थान के सहयोग से आयोजित होने वाले नेत्र शिविर के अंतर्गत एक विशाल निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर स्वर्गीय रामगोपाल पिंगले एवं शशिकला पिंगले की पुण्य स्मृति में सेवा दिवस के रूप में आयोजित किया गया।

शिविर में डॉ. राजकरण वर्मा द्वारा 153 से अधिक मरीजों की नेत्र जांच की गई तथा नेत्र रोगों से बचाव संबंधी आवश्यक परामर्श दिया गया। जांच के दौरान 47 से अधिक मरीजों में मोतियाबिंद के लक्षण पाए गए, जिन्हें ऑपरेशन हेतु आनंदपुर रेफर किया गया। कैंप प्रभारी वर्मा के निर्देशन में काउंसलिंग टीम द्वारा 26 मरीजों को निःशुल्क चश्मे वितरित किए गए, जबकि 42 मरीजों के चश्मों के नंबर निकाले गए। ट्रस्ट द्वारा 37 मरीजों को आवश्यक दवाइयों का वितरण भी किया गया। शिविर में मरीजों की बीपी एवं शुगर जांच की व्यवस्था भी की गई। शिविर सहयोगी सुनील बाबू पिंगले ने बताया कि ट्रस्ट के रवि उपाध्याय के मार्गदर्शन एवं सदुरु स्वर्गीय रणछोड़दास महाराज की कृपा से शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में निरंतर ऐसे निःशुल्क नेत्र शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में समाजसेवी एवं मानव अधिकार सुरक्षा एवं स्वास्थ्य संगठन के प्रदेश व जिला पदाधिकारी गणेशराम रघुवंशी, डॉ. ए.के. जैन उपस्थित रहे।

14 को इटारसी और 15 फरवरी को नर्मदापुरम में होगा ऑडिशन

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

दूरदर्शन और अधिकारी ब्रदर्स मुंबई के सौजन्य से नर्मदापुरम में होगी टी वी धारावाहिक बेटी बिना गांव की शूटिंग, धारावाहिक के लाइन प्रोड्यूसर रोहित तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह धारावाहिक अधिकारी ब्रदर्स डिजिटल नेटवर्क ओर दूरदर्शन के सौजन्य से बनाया जा रहा है, जिसके लिए इस शूटिंग के ऑडिशन इटारसी ऑडिटोरियम गांधी मैदान में 14 फरवरी 2026 सुबह 10 बजे से शाम 5 तक लिए जाएंगे और 15 फरवरी को नर्मदापुरम में आरसीसी मॉल कलेक्ट्रेट रोड में समय सुबह 10 से 5बजे तक ऑडिशन लिए जाएंगे। तिवारी ने बताया कि इस धारावाहिक की कास्टिंग मध्य प्रदेश से की जाएगी। अपने क्षेत्र को कल से जोड़ने में सहयोग करें। लाइन प्रोड्यूसर रोहित तिवारी ने कहा कि यदि कोई जानकारी चाहिए तो उनके मोबाइल नम्बर 7715096131पर संपर्क कर सकते हैं।

सांसद दर्शन सिंह चौधरी बोले-

औद्योगिक संबंध संहिता संशोधन विधेयक से श्रमिक हित मजबूत होंगे

नर्मदापुरम। सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने लोकसभा में औद्योगिक संबंध संहिता (संशोधन) विधेयक 2026 का समर्थन करते हुए इसे श्रमिकों, ट्रेड यूनियनों और औद्योगिक विकास के बीच संतुलन स्थापित करने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया। सांसद चौधरी ने कहा कि यह संशोधन श्रमिक हितों की सुरक्षा को सशक्त बनाता है और ट्रेड यूनियनों की भूमिका को संस्थागत रूप से मजबूत करेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार श्रमिक अधिकारों का संरक्षण करते हुए उद्योगों के लिए सुगम, पारदर्शी और उत्तरदायी माहौल सुनिश्चित करना चाहती है। श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा और रोजगार स्थिरता के संतुलित प्रावधान।प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को श्रमिकों को राष्ट्र निर्माण का भागीदार मानने वाली प्रतिबद्ध संस्था बताते हुए सांसद चौधरी ने कहा कि यह विधेयक श्रम कल्याण व औद्योगिक प्रगति को एक साथ आगे बढ़ाएगा। इससे उद्योगों में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनेगा, निवेश बढ़ेगा और श्रमिकों को सुरक्षित कार्यस्थितियां मिलेंगी।अंत में उन्होंने इसे आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूत करने वाला मील का पत्थर करार दिया।

महादेव-भोजपुर महोत्सव की तैयारियों का कलेक्टर ने लिया जायजा

भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा और यातायात की पुख्ता व्यवस्था करें- अरूण कुमार

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

मालवा का सोमनाथ मंदिर कहे जाने वाले शिवधाम भोजपुर में महाशिवरात्रि पर्व आयोजित तीन दिवसीय 'महादेव-भोजपुर महोत्सव' की तैयारियों का रायसेन कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा ने भोजपुर शिव मंदिर पहुंचकर निरीक्षण किया। इस मौके पर मौजूद एएसपी कमलेश कुमार सहित अन्य अधिकारियों को उन्होंने भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा, यातायात और मूलभूत सुविधाओं के निर्देश दिए।

आपको बता दें कि मध्य प्रदेश संस्कृति विभाग और जिला प्रशासन के सहयोग से भोजपुर शिव मंदिर प्रांगण में 15 से 17 फरवरी तक भोजपुर महोत्सव का आयोजन किया गया है। यहां प्रतिदिन शाम 7 बजे देर रात तक शिव-साधना, लोक आस्था और कला-सौंदर्य का समन्वित प्रस्तुति देखने को मिलेंगी।

मंदिर में दर्शनों की व्यवस्था होगी पुख्ता: स्थानीय प्रशासन ने महाशिवरात्रि के मौके पर भोजपुर मंदिर में इस बार दर्शनों के लिए अलग व्यवस्था की है। एसडीएम सीएस श्रीवास्तव ने बताया कि अब श्रद्धालुओं के दर्शन करने मंदिर के सामने ऊंचा एक प्लेटफार्म तैयार किया है, जहां से सीधे तौर पर बाबा भोलेनाथ के दर्शन किए जा सकेंगे, इससे भीड़ भी एकत्रित नहीं होगी और जल्दी दर्शन हो जाएंगे।

मेट्रो एंकर

3 किमी लंबी कलश यात्रा में उमड़ा जनसैलाब, 24 लाख मंत्रों से होगी आहुतियां

सिद्धों की पहाड़ी पर गुरु-भक्ति के संग शुरू हुई महादेव की प्राण-प्रतिष्ठा

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

नगर से करीब 15 किलोमीटर दूर ग्राम नेगमा पिपरिया के समीप स्थित सिद्धों की पहाड़ी आस्था, श्रद्धा और भक्ति का केंद्र बन गई। पथरीले और उबड़-खाबड़ मार्गों के बीच आयोजित भगवान विश्वनाथ की प्राण-प्रतिष्ठा के पांच दिवसीय महायज्ञ की शुरुआत कलश यात्रा के साथ हुई। तीन किलोमीटर लंबी यात्रा में बच्चे, युवा और बुजुर्ग नंगे पांव शामिल हुए। श्रद्धालुओं के चेहरों पर उत्साह और भक्ति का भाव स्पष्ट झलक रहा था।

तपोभूमि मानी जाने वाली इस पहाड़ी पर सिद्ध संतों की साधना से जुड़े स्थल पर जंगल में मंगल का दृश्य देखने को मिला। कलश यात्रा नेगमा पिपरिया से प्रारंभ होकर गाजे-बाजे के साथ यज्ञ स्थल तक पहुंची। यात्रा मार्ग में ग्रामीणों ने अनुशासन और समन्वय का परिचय दिया। कहीं भी अव्यवस्था नहीं दिखी। प्राण-प्रतिष्ठा के मुख्य सूत्रधार तंत्राचार्य आचार्य मनीष द्विवेदी को श्रद्धालुओं ने पूरे मार्ग में कंधों पर उठाकर यज्ञ स्थल तक पहुंचाया। कई स्थानों पर श्रद्धालु स्वयं भूमि पर लेट गए, ताकि गुरु के चरणों में कंकड़ न चुभें। यह दृश्य गुरु-तत्व के प्रति ग्रामीणों की गहरी आस्था और समर्पण को दर्शाता रहा। पांच दिवसीय आयोजन में वाराणसी की परंपरा के अनुसार अनुष्ठान संपन्न होंगे। काशी के वेद-विभूषण आचार्य डॉ. प्रवीण पांडेय के आचार्यत्व में 11 वेदपाठी ब्राह्मण चारों वेदों का परायण करेंगे। प्राण-प्रतिष्ठा के दिन बाबा विश्वनाथ की गंगा आरती की तर्ज पर पांच ब्राह्मण आरती करेंगे। 15 फरवरी को महाशिवरात्रि पर प्राण-प्रतिष्ठा तथा 16 फरवरी को महाप्रसाद एवं भंडारे का आयोजन होगा।

नगर में 108 कलशों के साथ निकली यात्रा

गोखुर स्थित प्रसिद्ध कुंड के जल से भरे 108 तांबे के कलशों को सजाकर यात्रा में शामिल किया गया। पीले वस्त्र धारण किए महिलाओं ने सिर पर कलश रखकर भागीदारी निभाई। उल्लेखनीय है कि पहाड़ी के समीप स्थित इस कुंड में वर्षभर जल बना रहता है, जिसे स्थानीय लोग गंगा के रूप में मानते हैं। क्षेत्र में जहां भूजल स्तर काफी नीचे है, वहीं यह कुंड आस्था और विश्वास का केंद्र बना हुआ है। यहां मध्य प्रदेश के सबसे ऊंचे शिवलिंग के साथ 108 पाषाण शिवलिंगों की स्थापना कर विश्वनाथ मठ का निर्माण किया जा रहा है। पहाड़ी पर प्राचीन हनुमान मंदिर भी स्थित है।

न्यूज विंडो

दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में लोगों को दी योजना की जानकारी

तेंदूखेड़ा। जनपद पंचायत के सभागार में 25 ग्राम पंचायतों के मेटों हेतु दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य विकसित भारत ग्रामीण आजीविका मिशन तथा जी राम जी ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना एक्ट 2025 के प्रावधानों की विस्तृत जानकारी प्रदान करना रहा। कार्यक्रम में योजना के तहत रोजगार सृजन, पारदर्शिता, कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन एवं ग्रामीण विकास में मेटों की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं की आर्थिक स्थिति में सुधार, स्वरोजगार के अवसरों का सृजन तथा आजीविका को सशक्त बनाने पर विशेष जोर दिया गया। प्रदान वाइज प्रोजेक्ट के माध्यम से शासन की योजनाओं का लाभ सीधे महिलाओं तक पहुंचाने की रणनीति साझा की गई। साथ ही ग्राम पंचायत स्तर पर महिलाओं के अलग-अलग बैच बनाकर प्रशिक्षण आयोजित करने की कार्ययोजना प्रस्तुत की गई। प्रतिभागियों को व्यवहारिक जानकारी हेतु फील्ड विजिट भी कराई गई। इस अवसर पर जनपद तेंदखेड़ा से एपीओ राहुल गाँगरा, आजीविका मिशन से सुमित तिवारी, प्रदान टीम से अक्षय जायसवाल (ब्लॉक कोऑर्डिनेटर) एवं वाइज बीसी कृष्णा माली द्वारा सत्रों का संचालन किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन से मेटों की कार्यक्षमता में वृद्धि होने की अपेक्षा व्यक्त की गई।

ग्राम पांजी में आधार कार्ड शिविर लगाकर बनाएं 21 नए आधार

तेंदूखेड़ा। ग्राम पंचायत पिंडरई पांजी के ग्राम पांजी में आधार कार्ड बनाने एवं सुधार करने हेतु विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीण विकास समिति का सहयोग रहा तथा ग्रामीणों को आधार कार्ड से संबंधित जानकारी दी गई। शिविर से पूर्व गांव का सर्वे किया गया, जिसमें नाथ समुदाय के ऐसे लोगों की पहचान की गई जो अर्धघुमक्कड़ जाति से संबंधित हैं तथा जिनके आधार कार्ड नहीं बने थे या सुधार की आवश्यकता थी। शिविर के दौरान कुल 21 नए आधार कार्ड बनाए गए एवं 9 आधार कार्ड सुधार किए गए। शिविर का उद्देश्य सरकारी योजनाओं से वंचित बच्चों एवं जरूरतमंद लोगों को आधार कार्ड उपलब्ध कराकर उन्हें शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाना है। कुछ लोगों के आधार कार्ड बनावाने संबंधी दस्तावजेज न होने पर ग्रामीण विकास समिति के द्वारा आधार कार्ड में लगने वाले कागजों की जानकारी देकर उन्हें बनवाने के लिए हर संभव मदद का आश्वासन दिया। शिविर में लगभग 50 लोग पहुंचे। इस दौरान ग्रामीण विकास समिति डायरेक्टर गोविन्द यादव, सरपंच सुशीला ठाकुर, अमित पटेल, ज्योति राव, धरमदास पाल व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्त्ता का भी सहयोग रहा।

सड़क किनारे मृत मिला तेंदुआ पड़ताल में जुटा वन अमला

धार। जिले की कुक्षी तहसील के सरदारपुर-टांडा मार्ग पर सड़क किनारे मृत अवस्थाद में तेंदुआ मिला हैं, क्षेत्र से गुजर रहे ग्रामीणों ने मामले की सूचना वन विभाग को दी। वन अमला मौके पर पहुंचा व पूरे मामले की जांच में जुट गया हैं, बताया जा रहा हैं, कि रात के अंधेरे में रोड क्रॉस करते समय संभवत किसी अज्ञात वाहन ने तेंदुए को टक्कर मार दी। इधर वन विभाग गुरुवार दोपहर के समय तेंदुए के शव का पीएम करवाएगा। ताकि मौत का कारण स्पष्ट हो सके। वन विभाग की टीम क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही हैं, इसी आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के अनुसार टांडा वन क्षेत्र के अंतर्गत अनाज मंडी के पास बीती रात लगभग 11 बजे सड़क पर एक मृत तेंदुआ पाया गया। ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तेंदुआ सड़क पार करते समय किसी वाहन की चपेट में आ गया था, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। तेंदुए का पोस्टमार्टम विशेषज्ञ वन्यजीव चिकित्सकों सुनील बड़ोले, डॉ. एसएस अलावा एवं डॉ. दीपक बामनिया द्वारा किया गया। पोस्टमार्टम में तेंदुए का शव पूर्ण रूप से सुरक्षित पाया गया है। किसी भी प्रकार के अंग क्षतिग्रस्त नहीं पाए गए। प्रथम दृष्टया अज्ञात वाहन की टक्कर से तेंदुए की मृत्यु होना पाया गया है। निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार शवदाह एवं भस्मीकरण की कार्रवाई की गई।

सस्ती ज्वेलरी के लालच में महिला से 16 हजार की ऑनलाइन ठगी

धार। साइबर अपराधी ठगी के नए-नए तरीके अपना रहे हैं, कोतवाली थाना अंतर्गत ग्राम दौलतपुरा का है, जहां एक महिला को सस्ती ज्वेलरी दिलाने का झांसा देकर साइबर ठगों ने 16 हजार रुपये की चपत लगा दी। ठगी यहीं नहीं रुकी, अब आरोपी महिला को पुलिस के नाम पर डराकर और पैसों की मांग कर रहे हैं। पीड़िता ने थाना कोतवाली धार में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि 10 फरवरी से पहले उसे मोबाइल नंबर 6393595970 एवं अन्य नंबरों से व्हाट्सऐप पर कॉल और मैसेज आए। फोन करने वाले ने अपना नाम मनोज कुमार सोलंकी बताया और खुद को इंग्लैंड का निवासी तथा इंटरनेशनल डिप्लोमैटिक वर्ल्ड वाइड शिपमेंट कंपनी से जुड़ा होना जाहिर किया।आरोपी ने महिला को सोने के आभूषणों की तस्वीरें भेजकर उन्हें बाजार से आधी कीमत पर उपलब्ध कराने का प्रलोभन दिया। ठग की बातों में आकर महिला ने बताए गए अलग-अलग खातों (मीरा देवी, सोहेल अहमद आदि) में फोन-पे के माध्यम से कुल 16 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। रकम वसूलने के बाद जब न तो ज्वेलरी पहुंची और न ही ठग ने सही जवाब दिया, तो महिला को ठगी का अहसास हुआ। संपर्क करने पर आरोपी ने अब 25 हजार की अतिरिक्त मांग शुरू कर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बोर्ड परीक्षा शुरू, लेकिन विद्यार्थियों की पढ़ाई पर भारी लाउडस्पीकर

रात 10 बजे के बाद भी खुलेआम शोर विद्यार्थियों, बुजुर्गों की सेहत पर खतरा

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

10वीं और 12वीं बोर्ड की परीक्षाएं शुरू हो चुकी हैं, वहीं प्रशासन द्वारा इन परीक्षाओं को लेकर कड़ी निगरानी और अनुशासन का दावा किया जा रहा है। परीक्षा केंद्रों पर फ्लाइंग स्क्वॉड, सीसीटीवी कैमरे, प्रश्नपत्रों की वीडियोग्राफी और समय-सीमा को लेकर सख्त निर्देश जारी किए गए हैं, लेकिन इन तमाम तैयारियों के बीच छात्र हित से जुड़ा सबसे अहम मुद्दा पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया है।

परीक्षा के दौरान तेज डीजे का सबसे ज्यादा असर छात्रों पर पड़ रहा है। बोर्ड परीक्षाएं चल रही हैं और चारों ओर तेज डीजे की आवाज सुनाई दे रही है विद्यार्थियों का कहना है कि देर रात तक शोर होने के कारण पढ़ाई में एकाग्रता नहीं बन पा रही। कई छात्र नींद पूरी न होने की शिकायत कर रहे हैं। इससे उनकी याददाश्त और मानसिक संतुलन प्रभावित हो रहा है। अभिभावकों का कहना है कि बच्चों को शांत माहौल देना जरूरी है लेकिन जब बाहर ही शोर हो रहा हो तो घर के अंदर पढ़ाई कर पाना मुश्किल हो जाता है। कानफोडू डीजे सिर्फ छात्रों ही नहीं, बल्कि बुजुर्गों के लिए भी गंभीर समस्या बन रहा है। चिकित्सकों के अनुसार तेज आवाज से उच्च रक्तचाप, हृदय संबंधी समस्या, चिड़चिड़ापन, अनिंद्रा और मानसिक तनाव बढ़ सकता है। कई बुजुर्गों ने बताया कि रातभर शोर के कारण सिरदर्द और घबराहट की समस्या बढ़ रही है, लेकिन शिकायत करने पर भी कोई सुनवाई नहीं होती

गाइड लाइन का पालन कराने वाला कोई नहीं

प्रशासन द्वारा पहले ही स्पष्ट निर्देश दिए जा चुके हैं कि बोर्ड परीक्षाओं के दौरान ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। इसके बावजूद तेन्दूखेड़ा और आसपास के इलाकों में स्थिति बिलकुल उलट दिखाई दे रही है। परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों का कहना है कि हमसे समय पर पहुंचने, अनुशासन रखने और नियम मानने की अपेक्षा की जाती है, लेकिन जब शोर रोकने की बारी आती है तो प्रशासन की आंखें बंद क्यों हो जाती हैं अभिभावकों का भी आरोप है कि परीक्षा जैसे संवेदनशील समय में प्रशासन की निष्क्रियता बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है।

कोलाहल एक्ट के तहत ये है कार्रवाई का प्रावधान

कोलाहल अधिनियम के तहत नियमों का उल्लंघन करने पर डीजे जब्त करने, आयोजक पर जुर्माना लगाने और आवश्यकता पड़ने पर एफआईआर दर्ज करने का प्रावधान है। बार-बार उल्लंघन की स्थिति में आयोजक और डीजे संचालक दोनों पर सख्त कार्रवाई की जा सकती है। नगरवासियों का कहना है कि पुलिस, राजस्व विभाग और प्रशासनिक अधिकारी इस गंभीर मुद्दे पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। यदि समय रहते सख्ती नहीं बरती गई तो परीक्षार्थियों की तैयारी और नागरिकों की सेहत दोनों पर इसका दुष्परिणाम पड़ेगा।

लकड़ी तस्करों को पकड़ा

धार। दोपहर मेट्रो

वन मंडल में अवैध वन अपराधों के खिलाफ वन विभाग ने दो कार्यवाही की है। वनमंडलाधिकारी विजयानंथम टीआर के मार्गदर्शन में विभाग ने पिछले एक सप्ताह एक ट्रैक्टर और एक आयसर वाहन जब्त किया है। 6 फरवरी को वन परिक्षेत्र सरदारपुर के अंतर्गत वन भूमि से अवैध रूप से मिट्टी की खुदाई करते हुए एक ट्रैक्टर को पकड़ा गया।

विभाग ने वाहन को जप्त कर सरदारपुर परिक्षेत्र कार्यालय में खड़ा किया है। गौरतलब है कि इससे पहले भी कोटडाकला वन क्षेत्र में ईंट भट्टा संचालकों द्वारा किए जा रहे अवैध उत्खनन पर विभाग ने सख्त कार्रवाई करते हुए भारी जुर्माना वसूला था। 10 फरवरी की रात मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक आयसर वाहन में अवैध रूप से लकड़ी का परिवहन किया जा रहा है। विभाग ने कार्रवाई करते हुए टीम गठित की गई और रात करीब 2 बजे घेराबंदी कर लकड़ी से भरे वाहन को पकड़ा गया। वाहन को फिलहाल सुसारी रेंज कैंपस में सुरक्षित रखा गया है। इन दोनों बड़ी कार्रवाइयों का नेतृत्व रेंजर डॉ. शैलेन्द्र सोलंकी ने किया। टीम में सरदारपुर परिक्षेत्र की टीम के विक्रमसिंह निनामा, पत्तलसिंह भारती, मनीषपालसिंह राठोर, अर्जुन राठोर एवं अनिल हरोड के साथ कुक्षी टीम के देवके देवधे, नानुराम अलावे और सूरसिंह जमरा का योगदान रहा।

सिंगपुर गेम परिक्षेत्र का मामला: जंगली जानवर का किया था शिकार

टाइगर रिजर्व में पार्टी की तैयारी करते हुए मांस के साथ चार लोगों को पकड़ा

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व के सिंगपुर परिक्षेत्र में जंगली सुअर का शिकार करने और मांस पकाने वाले चार आरोपियों को वन विभाग की टीम ने पकड़ा है। टीम ने आरोपियों से पूछताछ की तो उन्होंने जंगली सुअर का मांस पकाने की बात स्वीकार की है। मामले में चारों को गिरफ्तार कर वन कार्यालय लाया गया। जहां वन अपराध के तहत मामला दर्ज कर जांच में लिया है।

वन विभाग के अनुसार रात करीब 8 बजे मुखबिर से सूचना मिली थी कि टाइगर रिजर्व के गेम परिक्षेत्र सिंगपुर के तहत राजस्व ग्राम हरदुआ में कृष्णा कुर्मी के खेत पर कुछ लोग जंगली जानवर का मांस पकाकर खा रहे हैं। सूचना मिलते ही फॉरेस्ट के अफसरों ने टीम गठित कर कार्रवाई के लिए रवाना की। टीम ने हरदुआ गांव पहुंचकर कृष्णा कुर्मी के खेत पर दबिश दी। जहां पर चार व्यक्ति मिले। चारों जंगली सुअर का मांस खा रहे थे। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने जंगली सुअर का मांस पकाया है और उसे खा रहे हैं। मामला सामने आते ही पुलिस ने मौके से आरोपी सूरज पिता छोटेलाल रैकवार उम्र 35 वर्ष, सुरेश पिता रुपनारायण रैकवार उम्र 23 वर्ष, सीताराम पिता धरमदास पटेल उम्र 40 वर्ष और हरिसिंह पिता दयाली गौंड उम्र 36 वर्ष सभी निवासी हरदुआ को गिरफ्तार किया गया। कार्यालय लाकर चारों आरोपियों के खिलाफ अवैध शिकार का प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है। पूछताछ के बाद आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से कोर्ट ने उन्हें जेल भेज दिया है। टाइगर रिजर्व के डीएफओ रजनीश सिंह ने बताया कि मामला 9 फरवरी का रिजर्व के राजस्व ग्राम हरदुआ में कृष्ण कुर्मी के खेत पर जंगली जानवर के मांस की पार्टी चल रही थी सूचना मिलते ही टीम बनाकर घेराबंदी कर वन दल छापामारी कार्रवाई की गई चारों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है।

गैंगरेप के दो आरोपियों को 20-20 साल की जेल

कुक्षी। दोपहर मेट्रो

अपर सत्र न्यायाधीश आरती शुक्ला पांडेय के न्यायालय ने सामूहिक दुष्कर्म गैंगरेप के दो आरोपियों को दोषी करार देते हुए 20-20 वर्ष के कठोर कारावास और अर्थदंड की सजा सुनाई है। मामले में वैज्ञानिक साक्ष्य डीएनए रिपोर्ट और प्रत्यक्षदर्शियों की गवाही आरोपियों को सजा दिलाने में निर्णायक साबित हुई। अभियोजन के अनुसार 25 फरवरी 2025 की रात ग्राम बडकच्छ थाना टांडा में पीड़िता अपने दो छोटे बच्चों के साथ घर के बाहर सो रही थी। रात करीब 11 बजे आरोपी प्रेमसिंह (24) और कैलाश (26) निवासी ग्राम गेट्टा, वहां पहुंचे और पानी मांगा। पीड़िता ने बल्ब की रोशनी में उन्हें पहचान लिया और पानी पिलाया।

जैसे ही उसने उन्हें जाने को कहा आरोपियों ने उसे पकड़ लिया। आरोपी महिला को घसीटते हुए घर के पीछे खेत में ले गए, जहां जान से मारने की धमकी देकर दोनों ने बारी-बारी से उसके साथ बलात्कार किया। घटना को महिला के मासूम बच्चों ने भी देखा था। पति के गुजरात से लौटने के बाद अगले दिन टांडा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। न्यायालय में अभियोजन पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक आरके गुप्ता ने पैरवी की। मामले में कुल 11 गवाहों के कथन न्यायालय में दर्ज कराए गए। मासूम बच्चों की गवाही और पीड़िता के बयानों में सामंजस्य रहा। केस में महत्वपूर्ण साक्ष्य डीएनए रिपोर्ट रही, जो पॉजीटिव आई और आरोपियों की मौजूदगी व अपराध की पुष्टि की। कोर्ट ने साक्ष्यों और डीएनए रिपोर्ट के आधार पर दोनों आरोपियों को बीस-बीस साल के कठोर कारवास से दंडित किया।

रात में पुलिया से गिरी बाइक, तीन युवकों की मौत

सिवनी मालवा। दोपहर मेट्रो

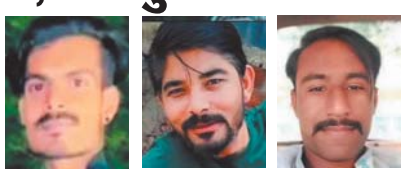

आवली घाट के गुवाडी टर्निंग पर बीती रात एक दर्दनाक हादसा हो गया। इस हादसे में सिवनी मालवा नगर के तीन युवक की मौत हो गई। जानकारी अनुसार सिवनी मालवा के तीन युवक रात को घर से 12 बजे नर्मदा के स्नान करने का कहकर आंवली घाट निकले और आंवली घाट पहुंचने से पहले एक किलोमीटर दूर ग्राम गुवाडी की टर्निंग पर गाड़ी असंतुलित होकर पुलिया के नीचे जा गिरी। रात होने के कारण पुलिया के नीचे किसी ने नहीं देखा। सुबह वहां से निकलने वाले नर्मदा परिक्रमावासियों ने इस बात की जानकारी ग्रामीणों को दी ग्रामीणों ने तत्काल सिवनी मालवा थाने फोन लगाया जिस पर थाना प्रभारी सुधाकर बारसकर अपने स्टाफ को लेकर तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे।

इस पूरे मामले में पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार घटना के बाद पूछताछ करने पर इन तीनों युवकों की पहचान राहुल पिता भीम सिंह जाट उम्र 35 वर्ष भगरू चौक सिवनी मालवा, राकेश पिता संतोष गौर उम्र 35 वर्ष भामाशाह मार्ग वार्ड नंबर 9 सिवनी मालवा, नितिन पिता मोहनलाल रैकवार देवल मोहल्ला के रूप मे हुई। ये तीनों आंवली घाट के गुवाडी टर्निंग के नीचे पुलिया पर मृत अवस्था में मिले इनके पास से गाड़ी भी क्षतिग्रस्त हालत में मिली है! वही प्रत्यक्ष दर्शियों ने बताया कि इनके पास से नारियल झंडा सहित पूजन की सामग्री भी थी जो नर्मदा नदी नहाने के लिए आना प्रतीत हो रहा है। तीनों मृतकों को सिवनी मालवा अस्पताल लाया गया जहां पर उनका पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिजनों को सोपा! नगर में हुई इस घटना को लेकर क्षेत्र में शोक का माहौल देखा गया। पुलिस ने फिलहाल इस पूरे घटनाक्रम में मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

मेट्रो एंकर

हत्या का पर्दाफाश: 31 दिसंबर को आरोपियों ने दिया था वारदात को अंजाम

चोर होने के शक में युवक की पीट-पीटकर हत्या, दो गिरफ्तार

धामनोद। दोपहर मेट्रो

पुलिस ने हत्या की गुत्थी को सुलझाते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है आरोपियों ने 31 दिसंबर को युवक को बाइक चोर समझकर पकड़ा था और मारपीट कर उसे मौत के घाट उतार दिया था।

धामनोद में 35 वर्षीय पुरुष का शव संदिग्ध अवस्था में मिला था। शव की पहचान न होने और प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत होने पर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी के निर्देश पर इस अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाने के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया था। सीएसपी सुजावल जग्गा और थाना प्रभारी प्रवीण ठाकरे के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिरों के जरिए संदिग्धों पर नजर रखी। गहन पूछताछ के बाद पुलिस ने दो युवकों को हिरासत में लिया।

पुलिस ने सावन पटेल 22 निवासी नाईसेरी बस स्टैंड और कृष्णा स्वामी 19 वर्ष निवासी मंगल नगर लालवाड़ी को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। उन्होंने बताया कि उन्होंने मृतक को बाइक चोर समझा था। उसे अपनी मोटरसाइकिल पर बिठाकर वे गुलझरी गांव के पास ले गए, जहां उन्होंने उसके साथ बेरहमी से मारपीट की। गंभीर चोटें आने के कारण अज्ञात व्यक्ति की मौत हो गई। चुनौतीपूर्ण मामले को सुलझाने में थाना प्रभारी प्रवीण ठाकरे, उपनिरीक्षक जयकिशन रायकवार, राहुल चौहान और आरक्षक मनीष राठौर की मुख्य भूमिका रही। पुलिस अब मृतक की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

मां रेवा ग्रुप की सेवा यात्रा, गरीबों के लिए सुविधाएं

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

जिले की पाटन तहसील से हर माह आस्था और सेवा की अनूठी मिसाल देखने को मिल रही है। समाजसेवी रवि ठाकुर द्वारा संचालित माँ रेवा ग्रुप के माध्यम से श्रद्धालुओं को पाटन से अमरकंटक तक धार्मिक यात्रा करवाई जाती है। खास बात यह है कि यह यात्रा मात्र 500 रुपये से शुरू होती है, जबकि गरीब और असहाय लोगों के लिए यह सुविधा पूरी तरह निशुल्क उपलब्ध कराई जाती है। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के लिए चाय, नाश्ता और भोजन की समुचित व्यवस्था की जाती है। पूरी यात्रा सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न होती है ताकि श्रद्धालु बिना किसी असुविधा के माँ नर्मदा के दर्शन कर सकें।अमरकंटक, जो कि नर्मदा नदी का उद्गम स्थल है, धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है।

टीम इंडिया ने नामीबिया को रौंदकर रचा इतिहास

टी20 वर्ल्ड कप में लगातार 10 मैच जीतने वाली बनी पहली टीम, अगला मुकाबला पाकिस्तान से

नई दिल्ली , एजेंसी

भारतीय टीम का आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी है। गुरुवार को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए ग्रुप-ए के मुकाबले में भारत ने नामीबिया को 93 रनों से परास्त किया। भारतीय टीम ने इस मुकाबले में नामीबिया को जीत के लिए 210 रनों का टारगेट दिया था, लेकिन उसकी पूरी टीम 16।2 ओवरों में 116 रनों पर सिमट गई। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम की मौजूदा टूर्नामेंट में ये लगातार दूसरी जीत रही। इससे पहले उसने अपने पहले ग्रुप मुकाबले में संयुक्त राज्य अमेरिका को 29 रनों से पराजित किया था। भारतीय टीम अब ग्रुप-ए की अंकतालिका में पाकिस्तान को पछाड़कर टॉप पर आ गई है। भारतीय टीम अब अपने तीसरे ग्रुप मुकाबले में 15 फरवरी (रविवार) को पाकिस्तान का सामना करेगी। ये मुकाबला कोलंबो के आर। प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाएगा।

नामीबिया के खिलाफ भारतीय टीम की जीत में हार्दिक पंड्या ने ऑलराउंड प्रदर्शन किया। हार्दिक ने 52 रन बनाने के अलावा दो विकेट झटके और उन्हें %प्लेयर ऑफ द मैच% चुना गया। ईशान किशन और मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती भी भारतीय टीम की जीत में स्टार बने। सलामी बल्लेबाज ईशान ने 24 गेंदों पर 61 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली। वहीं वरुण ने 7 रन देकर तीन विकेट चटकाए। भारतीय टीम ने नामीबिया पर 93 रनों से जीत हासिल की, जो रनों के लिहाज से टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में इस टीम की सबसे बड़ी जीत रही। इससे पहले साल 2012 के टी20 वर्ल्ड कप में भारतीय टीम ने कोलंबो के आर। प्रेमदासा स्टेडियम में इंग्लैंड को 90 रनों से पराजित किया था। उस रिकॉर्ड को भारतीय टीम ने और बेहतर किया है।

टी20 विश्व कप में भारत की सबसे बड़ी जीत (रनों के लिहाज से)

- 93 रन बनाम नामीबिया, दिल्ली, 2026
- 90 रन बनाम इंग्लैंड, कोलंबो आरपीएस, 2012
- 73 रन बनाम ऑस्ट्रेलिया, मीरपुर, 2014
- 71 रन बनाम जिम्बाब्वे, मेलबर्न, 2022
- 68 रन बनाम इंग्लैंड, प्रोविडेंस, 2024

कप्तान सूर्या ने की खिलाड़ियों की तारीफ

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने नामीबिया के खिलाफ जीत के बाद कहा, सभी के लिए यह मुकाबला अच्छा रहा। विकेट बल्लेबाजी के लिए अनुकूल नहीं था, मगर ईशान और संजू ने जिस तरह से शुरुआत की, उससे लगा कि विकेट आसान है। दो-तीन जल्दी विकेट गिरने के बाद शिवम और हार्दिक ने बल्लेबाजी की, वह वाकई सराहनीय था। गेंद थोड़ी रुक रही थी, लेकिन नामीबिया के गेंदबाजों की तारीफ होनी चाहिए। उन्होंने बहुत अच्छी गेंदबाजी की। मुझे लगता है कि वे जोश के साथ मैदान में उतरे। उनके पास अपनी योजना थी और उसे सही ढंग अंजाम दिया। उनकी गेंदबाजी से भी मैं बहुत प्रभावित था। हमने दो-तीन जल्दी विकेट खोए, लेकिन फिर अच्छी साझेदारी की और अंत में अच्छा प्रदर्शन किया। सूर्यकुमार यादव कहते हैं, बुमराह को चार ओवर्स की गेंदबाजी करते देख सुकून महसूस हुआ। वह अगले मैच के लिए भी पूरी तरह तैयार हैं। वरुण चक्रवर्ती जिस तरह अक्षर पटेल के साथ साझेदारी में गेंदबाजी करते हैं, मुझे लगता है कि यह एक ऐसा कॉम्बिनेशन है जिसका तोड़ निकालना आसान नहीं है।

हार्दिक नई गेंद से और जरूरत पड़ने पर डेथ ओवरों में भी गेंदबाजी करते हैं। जिस तरह से वो बल्लेबाजी करते हैं, मुझे लगता है कि ऐसी स्थिति में टीम के लिए यह बड़ा प्लस पॉइंट है। जिस सकारात्मक सोच के साथ उन्होंने खेला और अहम मैच में 'प्लेयर ऑफ द मैच' बने, वह टीम के लिए अच्छी बात है। कुल मिलाकर अब तक टीम का प्रदर्शन संतोषजनक रहा है। हर मैच अहम है, शुरुआत थोड़ी धीमी रही, लेकिन अब टीम सही रास्ते पर आगे बढ़ रही है।

फिरकी ही ताकत और फिरकी ही कमजोरी

जीत से मिलते सबक

वर्ल्ड चैंपियन टीम इंडिया बनाम एसोसिएट टीम नामीबिया का दिल्ली में खेल गया मैच कुछ ऐसा ही नजर आया।वैसे तो भारत ने एक तरफा अंदाज में नामीबिया को 93 रन से हरा दिया,लेकिन इस मैच में भी टीम इंडिया के लिए कुछ सबक निकल कर आये।गौरतलब है कि मौजूदा वर्ल्ड कप के आगाज में यूएसए के खिलाफ मिली जीत में भी वर्ल्ड चैंपियन टीम की दमदार बल्लेबाजी बिखर गयी थी।टी20 विश्व कप के ग्रुप मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने नामीबिया के खिलाफ 209 रन का स्कोर बनाया।पहले मैच से उलट इस मैच में टीम इंडिया की शुरुआत धांसू थी क्योंकि टीम इंडिया ने महज 10 ओवर में 100 का आंकड़ा पार कर लिया था।वहीं ऐसा माना जा रहा था कि टीम इंडिया इस मैच में 250 रनों के आंकड़ा आसानी से पार कर लेगी,लेकिन अगले 10 ओवर में नामीबिया का धांसू कमबैक था जब भारतीय टीम के बल्लेबाज ताश के पत्तों की तरह ढेर होते नजर आये।अमेरिका के खिलाफ पहले मैच में जहां भारतीय बल्लेबाज तेज गेंदबाजी के सामने लड़खड़ाये थे,जबकि नामीबिया की फिरकी ने इस मैच में विस्फोटक दिग्गजों को अपने जाल में उलझा दिया।भारतीय पारी में ईशान और हार्दिक ने तूफानी अर्धशतक तो जड़े,लेकिन नामीबिया के कप्तान इरेस्मस ने शानदार गेंदबाजी करते हुए मात्र 20 रन पर 4 विकेट हासिल कर मैच में रोमांच बना दिया।उन्होंने साइड-आर्म ऑफ ब्रेक, राउंड आर्म गेंद और क्रीज के पीछे से छोटी लंबाई की गेंदों का बेहतरीन मिश्रण पेश कर भारतीय बल्लेबाजों की कलई खोल दी।उनकी गेंदबाजी ने बीच के ओवरों में भारत की रनगति पर कुछ हद तक अंकुश लगाया।भारतीय बल्लेबाजों की कमजोरी तब उभर कर आयी जब पारी के आखिरी 4 ओवरों में बल्लेबाज सिर्फ 25 रन बना सके जिसके एवज में 5 विकेट भी गंवाये।कोई भी बल्लेबाज नामीबिया के फिरकी कप्तान को 19 वें ओवर में भी जवाब नहीं दे सका।सही मायने में थोड़ी सी अटपटी फिरकी के सामने टीम इंडिया के सभी दिग्गज लाचार ही नजर आये।असल बात तो यह है कि मौजूदा वर्ल्ड कप के ग्रुप मैचों को लेकर तमाम जानकारों का जो अनुमान था,वह पूरी तरह उलट रहा है।भले ही टीम कोई भी हो,लेकिन सभी मैच रोमांचक हो रहे हैं।यही इस फ़ॉर्मेट की असली ताकत है,इसी वजह से किसी भी टीम को हल्के में नहीं लिया जा सकता है।ऐसा ही नजारा भारत-नामीबिया मैच में भी देखने को मिला।इसके पहले भी अफगानिस्तान बनाम दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड बनाम नेपाल, पाकिस्तान बनाम नीदरलैंड,भारत बनाम अमेरिका का रोमांच इस फॉर्मेट की असल ताकत रहे हैं।अब भले ही भारतीय टीम ने नामीबिया की टीम को रनों के नजरिये से बड़े अंतर से हरा दिया हो,लेकिन सच तो यह है कि कमजोर समझी जाने वाली नामीबिया टीम ने चैंपियन टीम को कई पहलुओं पर आत्मचिंतन करने को मजबूर कर दिया है।जिस तरीके से टीम इंडिया का लेफ्ट हैंड बल्लेबाजी क्रम नामीबिया के ऑफ स्पिनर के सामने जूझता और फिर तेज गेंदबाजों के सामने नामीबिया के शुरुआती बल्लेबाजों का विस्फोट देखने को मिला,हालांकि उसके बाद वह टीम इंडिया की फिरकी के सामने एकदम बेबस नजर आए और ढेर हो गये।फिर भी जिस अंदाज में यह मैच चला वह मैनजमेंट के लिए सबक रहेगा।मतलब साफ है कि इस मैच का अगर हम सार देखें तो फिर बड़ी जीत के बावजूद भी बस यही बोल सकते हैं कि टीम इंडिया की ताकत भी फिरकी है और कमजोरी भी यही नजर आयी।देखना यह दिलचस्प रहेगा कि टीम मैनेजमेंट आने वाले सभी बड़े मैचों में अब कौनसा फार्मूला अपनाकर अपनी कमजोरी और ताकत का बेहतर संयोजन करता है।

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

ज्ञान की भीड़ में गहरी समझ बनाती है चैंपियन युवाओं को विश्वनाथन आनंद ने दिया गुरु मंत्र

नई दिल्ली , एजेंसी

पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने कहा कि ऐसे युग में, जहां खिलाड़ी कंप्यूटर से मिलने वाली सहायता से अभिभूत हैं, खेल की गहरी समझ आधुनिक शतरंज में एकमात्र असली निर्णायक कारक बन गई है।

आनंद ने तीन दिवसीय शतरंज कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में कहा, दिलचस्प बात यह है कि आपको जितना अधिक ज्ञान उपलब्ध कराया जाता है, उतना ही कम आप जान पाते हैं। यदि हर दिन आपको 20-30 नए निष्कर्ष मिलते हैं, तो आप उन्हें कैसे समझ पाएंगे? मेरा मानना है कि आज के शतरंज खिलाड़ियों को अलग करने वाली एकमात्र चीज गहरी समझ है।

कई साल पहले जब आनंद ने कंप्यूटर का उपयोग करना सीखा था, उस समय का उदाहरण देते हुए इस ग्रैंडमास्टर ने कहा कि नए विचारों के प्रति खुला रहना मददगार होता है, लेकिन बारीकियों को समझना ही किसी खिलाड़ी को नए स्तर पर ले जाता है। आनंद ने यह भी स्पष्ट किया कि शतरंज में महारत हासिल करना रटने के बजाय पैटर्न पहचानने पर आधारित है। उन्होंने कहा, हमारा दिमाग हमारी क्षमता से कहीं अधिक पैटर्न बनाता है। किसी का खेल देखने के हफ्तों बाद भी खिलाड़ियों के दिमाग में नए विचार आ जाते हैं। उन्हें यह अहसास नहीं होता कि वे कहीं और से कुछ नकल कर रहे हैं।

47वीं अंतर क्षेत्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आगाज

प्रबंध संचालक ऋषि गर्ग ने राजधानी में किया शुभारंभ

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एम.पी. पॉवर मैनेजमेंट कंपनी जबलपुर एवं मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के संयुक्त तत्वावधान में 47वीं अंतरक्षेत्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का गुरूवार को केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) मैदान बीएचईएल में शुभारंभ मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक ऋषि गर्ग ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि खेल शारीरिक एवं मानसिक रूप से व्यक्ति के व्यक्तित्व को निखारने का माध्यम ही नहीं, बल्कि टीम भावना, अनुशासन, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और आपसी सहयोग का भी प्रतीक है। खेल गतिविधियों में भाग लेने से मानसिक विकास के साथ ही चरित्र निर्माण भी होता है और गौरवशाली परंपरा का हम

पालन करते हैं। गर्ग ने कहा कि आज से शुरू हो रही इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से हमें अपने कार्य के साथ-साथ स्वास्थ्य और ऊर्जा को बनाए रखने का भी अवसर मिलेगा। सभी प्रतिभागी खेल भावना का पालन करते हुए अपनी श्रेष्ठ प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे और भविष्य में तरक्की की राह आसान करेंगे। प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि सीआईएसएफ के सीनियर कमांडेंट शिवरतन मीना, निदेशक (पीडीटीसी) अनिल कुमार खत्री, निदेशक (वाणिज्य) सुधीर कुमार श्रीवास्तव, मुख्य महाप्रबंधक (भोपाल क्षेत्र) बीबीएस परिहार, महाप्रबंधक (संचा/संधा) व नोडल अधिकारी जाहिद खान सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

पति को छोड़ मिस्ट्री मैन के प्यार में वड़ा पाव गर्ल

साथ रहने का किया वादा, पीछे पड़े ट्रोल्स

बिग बॉस ओटीटी फेम चंद्रिका दीक्षित, जिन्हें वड़ा पाव गर्ल के नाम से भी जाना जाता है, की शादीशुदा जिंदगी इन दिनों खूब सुर्खियों में है। चंद्रिका अपने पति युगम गेरा को छोड़कर एक मिस्ट्री मैन के साथ काफी वायरल हो रही हैं। उनके वीडियोज सोशल मीडिया पर काफी व्यूज बटोर रहे हैं। चंद्रिका दीक्षित का अपने पति से झगड़ा हुआ था, जिसपर काफी बवाल मचा। वड़ा पाव गर्ल ने अपने पति पर अफेयर के आरोप लगाए थे। उन्होंने एक वीडियो शेयर करके अपने पति युगम की चैट्स लीक की थीं। लेकिन फिर वड़ा पाव गर्ल एक मिस्ट्री मैन संग दिखीं, जिसके साथ उनकी रोमांटिक रील्स और फोटोज ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। उन्होंने कुछ ही दिन पहले मिस्ट्री मैन संग प्यार का इजहार किया। लोगों को लगने लगा कि ये सब वड़ा पाव गर्ल का नया ड्रामा है। मगर फिर उन्होंने अपनी और मिस्ट्री मैन की शादी के जोड़े में तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की थीं, जिससे काफी हड़कंप मचा था। हालांकि ये भी चंद्रिका का ब्रैंड शूट था, जिससे यूजर्स काफी नाराज हुए। अब वड़ा पाव गर्ल ने सोशल मीडिया यूजर्स को नाराज होने का एक और मौका दिया है। चंद्रिका दीक्षित ने अपनी और मिस्ट्री मैन की एक और रील शेयर की है, जिसमें वो प्रॉमिस डे पर उनसे एक वादा करने की बात कहती हैं। वड़ा पाव गर्ल चाहती हैं कि उनके मिस्ट्री मैन कभी उनसे अलग ना हो। जिसका बाद में वो वादा भी करते हैं। वड़ा पाव गर्ल कहती हैं कि क्या उन्हें डर नहीं लगता? तो इसपर मिस्ट्री मैन कहता है कि उन्हें उनसे मोहब्बत हुई है, तो कोई डर नहीं है।

यूजर्स के बीच वायरल चंद्रिका का पुराना बयान

वड़ा पाव गर्ल के इस वीडियो पर यूजर्स तंज कस रहे हैं। उनका कहना है कि उन्होंने अपने पति युगम गेरा से भी ऐसा ही एक वादा किया था, जिसे वो तोड़ चुकी हैं। यूजर्स के बीच चंद्रिका का एक पुराना इंटरव्यू वायरल है जिसमें वो कहती हैं, %अब लोगों को लगता है कि मेरे पास पैसा आ गया है, तो मैं अब युगम को छोड़ दूंगी। उसका पता साफ हो जाएगा।% %लेकिन मैं लाइफ में चाहे कहीं भी चली जाऊं, मुझे हमेशा अपने पति का हाथ साथ चाहिए होगा। जब मैं रोने लगूं या लड़खड़ाऊं, तो वो मुझे मां-बाप-पति के रूप में साथ चाहिए, मुझे उनके साथ सक्सेस को छूने में बड़ा मजा आता है। दुनिया तुम्हें मेरे खिलाफ भड़काएगी, बहलाएगी, लेकिन तुम मेरी जिंदगी के आखिरी लड़के हो और सिर्फ तुम ही रहोगे।

मधुर भंडारकर की द वाइव्स में महक बनेंगी मौनी रॉय, एक्ट्रेस ने पूरी की शूटिंग

मुंबई । अभिनेत्री मौनी रॉय निर्देशक मधुर भंडारकर की आगामी फिल्म द वाइव्स में नजर आएंगी। इस फिल्म की शूटिंग हाल ही में पूरी हो गई है। बुधवार को मौनी रॉय ने इंस्टाग्राम के जरिए इस बात की जानकारी दी। फिल्म में मौनी रॉय महक नाम का किरदार निभा रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है और निर्देशक मधुर भंडारकर के साथ काम करना उनकी बकेट लिस्ट का एक अहम हिस्सा था। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की बीटीएस तस्वीरें शेयर कीं। इसमें मौनी के साथ-साथ फिल्म के बाकी कलाकार और मधुर भंडारकर भी नजर आ रहे हैं। मौनी ने लिखा, शानदार फिल्म द वाइव्स की मैंने शूटिंग पूरी कर ली है। यह मेरी जिंदगी की सबसे पसंदीदा फिल्मों में से एक बनने वाली है। मधुर भंडारकर सर का बहुत-बहुत धन्यवाद, जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया और मुझे यह किरदार दिया। आपके साथ काम करना मेरी बकेट लिस्ट का अहम हिस्सा था।इसी के साथ ही मौनी ने अपने सह-कलाकारों की भी तारीफ की। उन्होंने लिखा, ÷मेरे शानदार को-स्टार्स का भी शुक्रिया, जो बहुत दयालु, प्यारे और सहयोगी रहे। फिल्म जल्द ही आपके नजदीकी सिनेमाघरों में रिलीज होगी। निर्माता-निर्देशक मधुर भंडारकर आगामी फिल्म द वाइव्स के जरिए सेलेब्स की पत्नियों की कहानी को पर्दे पर लेकर आ रहे हैं।

मेट्रो बाजार

भारत का मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर हुआ मजबूत, जीवीए तेजी से बढ़ा

नई दिल्ली । भारत का मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर हाल की तिमाही में तेजी से मजबूती हुआ है और जीवीए की वृद्धि दर वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में 7.72 प्रतिशत और दूसरी तिमाही में 9.13 प्रतिशत रही है। इसमें मजबूती की वजह अधिक वैल्यू वाले प्रोडक्शन की तरफ रुझान बढ़ना,इंडस्ट्रियल इन्फ्रास्ट्रक्चर में सुधार और तेजी से टेक्नोलॉजी को अपनाना है। यह जानकारी गुरुवार को जारी हुए एक आधिकारिक बयान में दी गई। आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 में बताया गया कि मध्यम से उच्च टेक्नोलॉजी वाली इंडस्ट्रीज की भारत के मैन्युफैक्चरिंग वैल्यू एडेड में 46.3 प्रतिशत का योगदान है, जो उच्च गुणवत्ता वाली उत्पादन संरचना की ओर बदलाव को दिखाता है। बयान में कहा गया, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में तेजी के कारण भारत की वैश्विक औद्योगिक प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता में काफी सुधार हुआ है और देश की रैंकिंग कॉम्पीटिटिव इंडस्ट्रियल परफॉरमेंस (सीआईपी) में बढ़कर 2023 में 37वीं हो गई है, जो कि 2022 में 40वीं थी। बयान में आगे कहा गया कि मैन्युफैक्चरिंग आज सुधारों, क्षेत्रीय पहलों और मजबूत आपूर्ति श्रृंखलाओं के साथ 2047 तक 35 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की भारत की महत्वाकांक्षा के लिए विकास के इंजन के रूप में कार्य कर रहा है। बयान में आगे कहा गया है कि केंद्रीय बजट 2026-27 ने निवेश प्रोत्साहन, नवाचार, बुनियादी ढांचे के विकास और औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए लक्षित उपायों के माध्यम से मैन्युफैक्चरिंग के लिए समर्थन को मजबूत किया है।

तीसरी तिमाही में एचएएल का शानदार प्रदर्शन मुनाफा 30 प्रतिशत बढ़कर 1,867 करोड़ हुआ

मुंबई। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही (दिसंबर तिमाही) में शानदार वित्तीय प्रदर्शन किया है। रक्षा क्षेत्र की इस सरकारी कंपनी का शुद्ध मुनाफा पिछले साल की तुलना में 29.6 प्रतिशत बढ़ गया है। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि इस तिमाही में उसका शुद्ध मुनाफा (पीएटी) 1,866.66 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 1,439.79 करोड़ रुपए था। इस तिमाही में कंपनी की आय (रेवेन्यू) भी बढ़ी है। एचएएल की संचालन से आय 10.65 प्रतिशत बढ़कर 7,698.80 करोड़ रुपए हो गई, जो पिछले साल इसी तिमाही में 6,957.31 करोड़ रुपए थी। इस दौरान कंपनी की कुल आय बढ़कर 8,612.60 करोड़ रुपए हो गई जो पिछले साल इसी तिमाही में 7,588.71 करोड़ रुपए थी। तिमाही नतीजों के साथ ही एचएएल के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए पहला अंतरिम लाभांश (डिविडेंड) घोषित किया है। कंपनी ने प्रत्येक 5 रुपए फेस वैल्यू वाले शेयर पर 35 रुपए का डिविडेंड देने की घोषणा की है। कंपनी ने 18 फरवरी को रिकॉर्ड डेट तय की है। इस तारीख तक जिन निवेशकों के पास कंपनी के शेयर होंगे, उन्हें यह डिविडेंड मिलेगा। एचएएल ने कहा है कि यह राशि 14 मार्च 2026 तक पात्र निवेशकों को दे दी जाएगी। एचएएल पिछले कई वर्षों से नियमित रूप से डिविडेंड देती आ रही है। 28 मार्च 2019 से अब तक कंपनी 14 बार डिविडेंड घोषित कर चुकी है। पिछले एक साल में कंपनी ने कुल 40 रुपए प्रति शेयर का डिविडेंड दिया है, जिससे डिविडेंड यील्ड 0.98 प्रतिशत रही है। इससे पहले कंपनी ने 15 रुपए प्रति शेयर का डिविडेंड घोषित किया था।

डबरा में देश का सबसे बड़ा नवग्रह मंदिर

3 मंजिलों पर पत्नियों संग विराजे है नवग्रह

ग्वालियर/डबरा। एशिया का सबसे बड़ा और अद्भुत नवग्रह मंदिर ग्वालियर के डबरा में बना है। इसे अद्भुत इसलिए कहा जा रहा है कि एकमात्र ऐसा मंदिर है, जहां नवग्रह के साथ उनकी पत्नियां भी विराजमान हैं। 12 एकड़ जमीन पर सिर्फ मंदिर बना है।सनातन धर्म परंपरा, वास्तु शास्त्र और ज्योतिष शास्त्र आधार पर 108 खंभों पर स्थापित किया है। धर्म में 108 अंक का विशेष महत्व है। 27 तारामंडल, जिनको नक्षत्र भी कहा जाता है। हर नक्षत्र की चार-चार दिशाएं होती हैं, जिनका योग 108 होता है। मंदिर में नवग्रह की स्थापना बहुत अध्ययन के बाद की गई है।

न्यूज विंडो

लॉरेन्स बिश्नोई गैंग ने रणवीर सिंह और रोहित शेट्टी को फिर दी धमकी

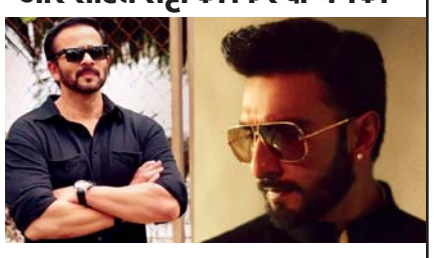

मुंबई। 'धुरंधर' स्टार रणवीर सिंह और 'सिंघम' निर्देशक रोहित शेट्टी को एक बार फिर धमकी मिली है। रोहित शेट्टी के घर हुई पांच राउंड फायरिंग के बाद 10 फरवरी को रणवीर सिंह को पहली धमकी मिली थी। अब दोनों को एक बार फिर धमकी मिली है। लॉरेन्स बिश्नोई गैंग ने इसकी पूरी जिम्मेदारी ली है। बताया जा रहा है कि लॉरेन्स बिश्नोई गैंग के गैंगस्टर हैरी बॉक्सर ने बॉलीवुड डायरेक्टर रोहित शेट्टी और एक्टर रणवीर सिंह को इस बार धमकी दी है।सामने आई जानकारी के अनुसार पुलिस में शिकायत करने को लेकर दोनों को धमकी मिली है। इस धमकी में कहा गया, 'रणवीर सिंह तूने सलाह दी थी न शिकायत करने की रोहित शेट्टी को अब तुम्हे बताएंगे तुम्हारी 7 पुस्ते कुछ न बिगाड़ पाएंगी हमारा। तुम दोनों के जितने मैनेजर है, वो कहा रहते है, कब आते है, कब जाते है, परिवार कहा रहता है। सब पता है। एक एक मैनेजर को ठिकाने लगाना शुरू करेंगे वरना सुधर जाओ।'

पाकिस्तान ने नई हाइपरसोनिक मिसाइल का अनावरण किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने शुक्रवार को नई SMASH मिसाइल का अनावरण किया है। सऊदी अरब के रियाद में आयोजित विश्व रक्षा प्रदर्शनी 2026 में पाकिस्तान ने अपनी नई हाइपरसोनिक एंटी-शिप मिसाइल का अनावरण किया। इस मिसाइल को ग्लोबल इंडस्ट्रियल एंड डिफेंस सॉल्यूशंस ने प्रदर्शित किया। इस मिसाइल को दोहरी भूमिका वाली हाइपरसोनिक हथियार के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, जो समुद्री और जमीनी दोनों तरह के हमले करने में सक्षम है। कंपनी ने बताया कि यह जमीनी लक्ष्यों को भी प्रभावी ढंग से निशाना बनाने में सक्षम है। SMASH पाकिस्तान की P-282 पदनाम वाली एक जहाज से लॉन्च की जाने वाली एंटी-शिप बैलिस्टिक मिसाइल है, जिसकी मारक क्षमता लगभग 350 किलोमीटर है। एक तरफ पाकिस्तान में सियासी साजिश की जा रही है तो दूसरी तरफ पाकिस्तान के अंदर जंगी जुनून सवार है। पाकिस्तान ने हाइपरसोनिक एंटी-शिप बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया है।

अगर ईरान ने जल्द समझौता नहीं किया तो यह बहुत दर्दनाक साबित होगा

वाशिंगटन डीसी: ईरान के मुद्दे पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खामेनेई को फिर से धमकी दी है और कहा, 'हमें समझौता करना ही होगा। अन्यथा, स्थिति बहुत गंभीर हो जाएगी। मैं ऐसा नहीं चाहता, लेकिन हमें समझौता करना ही होगा। उन्हें पहली बार में ही समझौता कर लेना चाहिए था, लेकिन इसके बजाय उन्हें 'मिडनाइट हैमर' जैसी कार्रवाई झेलनी पड़ी। अगर ईरान समझौता नहीं करता है, तो यह उसके लिए बहुत दर्दनाक साबित होगा। देखिए, अगर वे समझौता नहीं करते हैं, तो कहानी कुछ और होगी। लेकिन कल बेंजामिन नेतन्याहू के साथ हमारी बहुत अच्छी बैठक हुई और वे समझते हैं, लेकिन अंततः निर्णय मेरा ही है। 'अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ ईरान के साथ परमाणु समझौते पर हुई बैठक को 'बहुत अच्छी' बताया और तेहरान को फिर से चेतावनी दी कि अगर वे बातचीत से सहमत नहीं होते हैं, तो यह उनके लिए 'बहुत दर्दनाक' होगा।

2008 देश छोड़कर लंदन भाग गए, 17 साल बाद देश में वापसी | **2018** में बीएनपी पार्टी के कार्यवाहक अध्यक्ष बने | **2024** में तख्तापलट के बाद सभी आरोप वापस हुए

'डार्क प्रिंस' का निर्वासन से सत्ता तक का सफर, चार साल की उम्र में गए थे जेल

ढाका, एजेंसी

आज से बांग्लादेश की राजनीति में एक नये अध्याय की शुरुआत हो चुकी है और तारिक रहमान का पीएम बनना तय माना जा रहा है। ऐसे में चलिए जानते हैं कौन हैं तारिक रहमान और पीएम बनने के लिए उन्हें कितनी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। तारिक रहमान बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया और पूर्व राष्ट्रपति जिया-उर-रहमान के बेटे हैं। तारिक रहमान का जन्म 20 नवंबर 1965 को ढाका में हुआ।1971 में बांग्लादेश की आजादी की जंग के दौरान तारिक महज चार साल के थे और उन्हें कुछ समय के लिए हिरासत में भी रखा गया था। यही वजह है कि उनकी पार्टी बीएनपी उन्हें 'युद्ध के सबसे कम उम्र के बंदियों में शामिल' बताकर सम्मानित करती है।

पिता जिया-उर-रहमान बीएनपी के संस्थापक और पूर्व राष्ट्रपति थे। जबकि उनकी मां खालिदा जिया 3 बार देश की प्रधानमंत्री रहीं। तारिक को बचपन से ही राजनीति में रुचि थी। 1991 में तारिक ने अपनी मां खालिदा जिया को प्रधानमंत्री बनाने में अहम भूमिका निभाई।

17 साल का निर्वासन का शिकार

तारिक रहमान जेल, यातनाएं और राजनीतिक साजिशों के शिकार भी हुए हैं और 17 साल का निर्वासन भी झेला है। तारिक 17 सालों तक लंदन में रहे, तारिक रहमान देश से भले दूर थे, लेकिन राजनीति से जुड़े रहे। वह वीडियो कॉल, सोशल मीडिया और डिजिटल सभाओं के जरिए अपने पार्टी का नेतृत्व करते रहे।

रहमान पर आपराधिक और भ्रष्टाचार से जुड़े 84 केस दर्ज

तारिक रहमान पर दर्जनों आपराधिक और भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों समेत लगभग 84 केस थे। इन सभी दोषों को उन्होंने हमेशा राजनीतिक दबाव का नतीजा बताया। सैन्य समर्थित अंतरिम सरकार ने मार्च 2007 में तारिक को रातों-रात गिरफ्तार कर लिया गया। तारिक को जेल जाने के बाद वहां यातनाएं भी झेलनी पड़ीं, सितंबर 2008 में जमानत पर रिहा होने के बाद वह चिकित्सा के बहाने लंदन चले गए और 17 साल तक स्वनिर्वासन में रहे और वहीं, से बीएनपी की कमान संभाले रखी।

तारीक रहमान का राजनीतिक सफर

साल 2024 में शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद बांग्लादेश के कानूनी माहौल में बड़ा बदलाव देखने को मिला। आलम यह हुआ कि 2026 की शुरुआत तक ज्यादातर बड़े मामलों में उन्हें बरी कर दिया गया। जिन मामलों में उन्हें बरी किया गया, उनमें शेख हसीना की रैली पर हुए ग्रेनेड हमले का मामला भी शामिल है, जिसमें उन्हें 2018 में उम्रक़ैद की सजा सुनाई गई थी। शेख हसीना की सत्ता से बेदखल होने के बाद तारिक रहमान ने नई राजनीतिक जमीन तैयार की। अतंरिम सरकार बनने और कानूनी अड़चने हटने के बाद दिसंबर 2025 में तारिक ढाका वापस लौट आए। वह लंदन में अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस से पहले ही मिल चुके थे। जिससे बांग्लादेश की राजनीति में उनके बदलाव का संकेत मिल गया था। 17 साल बाद बांग्लादेश लौटे तारिक रहमान की पार्टी 151 सीटों पर जीत दर्ज कर चुकी है और कई सीटों पर बढ़त बनाए हुए है। 13वें संसदीय चुनाव में रहमान ढाका-17 और बोगुरा-6 दोनों संसदीय सीट से बड़े अंतर से जीत दर्ज की है।

तेलंगाना निकाय चुनाव

वोटर्स को रिझाने के लिए कांग्रेस उम्मीदवार ने बांटे प्रेशर कुकर-पैसे, जनता ने वोट नहीं दिया तो मांगा वापस

हैदराबाद, एजेंसी

तेलंगाना में भद्राद्री कोठागुडेम जिले के अश्वरावपेट नगर पालिका के वार्ड नंबर 10 वार्ड से चुनाव लड़ रहा कांग्रेस उम्मीदवार वोट नहीं मिलने से जनता से नाराज हो गया। दरअसल, कांग्रेस उम्मीदवार ने हार के डर से वोटर्स को कैश और प्रेशर कुकर बांटे लेकिन इसके बावजूद जनता ने वोट नहीं दिया। इससे नाराज होकर उसने बांटे गए प्रेशर कुकर और पैसे लोगों से वापस मांगने लगा। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि पैसे और कूकर बांटने के बावजूद उसे वोट नहीं दिया।

यह घटना अश्वरावपेट म्युनिसिपैलिटी में हुई,

जहां गुस्साए लोगों ने बांटे गए कुकर सड़क के बीच में रखकर विरोध प्रदर्शन किया। इस नाटकीय प्रदर्शन ने लोकल अधिकारियों और राहगीरों का ध्यान खींचा, जिससे इलाके में राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई।

दिल्ली के स्कूलों को फिर मिली बम की धमकी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के कई स्कूलों में आज सुबह बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया। आनन-फानन में पुलिस को सूचना दी गई और सुरक्षा एजेंसियों की टीमें तुरंत हरकत में आ गईं। विभिन्न स्कूलों में बम निरोधक दस्ते और पुलिस के जवान पहुंच गए हैं और सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।मिली जानकारी के अनुसार, बम की धमकी का पहले झंडेवालान स्थित बीडी तमिल एजुकेशन स्कूल को मिली। इसके बाद अन्य स्कूलों से भी इसी तरह की धमकियों की खबरें सामने आने लगीं।

बेंगलुरु में हाईवे पर हादसा

बाइक से टक्कर के बाद कैंटर से भिड़ी कार, सात लोगों की मौत

बेंगलुरु । कर्नाटक के बेंगलुरु में एक दर्दनाक हादसा हुआ है। यहां आज सुबह ग्रामीण जिले होसकोटे के बाहरी इलाके में चेन रोड एक्सीडेंट में करीब सात लोगों की मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक, यह एक्सीडेंट होसकोटे-डबासपेट नेशनल हाईवे पर एम सत्यवारा गांव के पास हुआ। होसकोटे से देवनहल्ली की तरह जा रही कार मोटरसाइकिल से टकरा गई।मोटरसाइकिल से टकराने के बाद कार ड्राइवर का कंट्रोल खो गया और गाड़ी एक कैंटर से जाकर टकरा गई। कार, मोटरसाइकिल और कैंटर की टक्कर में एक और कार शामिल हो गई। होसकोटे-डबासपेट नेशनल हाईवे पर चार वाहन एक के बाद एक टकराते चले गए। कार और मोटरसाइकिल की टक्कर के बाद कैंटर भी टकरा गया और बाद में एक और कार इस हादसे की चपेट में आ गई। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, इस हादसे में अब तक सात लोगों की मौत की खबर सामने आई है। शवों को होसकोटे सरकारी अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया है।

शादी में शराब समझकर पी लिया एसिड, चार लोगों की मौत

उदयपुर। राजस्थान में भीलवाड़ा जिले के गंगापुर कस्बे में एक शादी समारोह के दौरान बड़ा हादसा हो गया। साफ-सफाई के लिए बुलाए गए कुछ लोगों ने समारोह स्थल पर रखी एसिड की बोतलों को शराब समझकर पी लिया। थोड़ी देर बाद सभी की तबीयत अचानक बिगड़ गई। यह घटना गंगापुर क्षेत्र के अलोली गांव की बताई जा रही है। एसिड पीने के बाद पीड़ितों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान तीन लोगों की गंगापुर अस्पताल में ही मौत हो गई। एक अन्य गंभीर घायल को भीलवाड़ा रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया।

एक का इलाज जारी: हादसे में एक व्यक्ति की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है और अस्पताल में उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार एसिड शरीर में पहुंचने से आंतरिक अंग बुरी तरह झुलस गए, जिससे मौतें हुईं। घटना के बाद शादी समारोह में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है।

मेट्रो एंकर

राष्ट्रगीत को अनिवार्य करने के बाद मौलाना साजिद रशीदी का आया बयान

चाहे हमारा सिर कट जाए, पर हम वंदे मातरम नहीं गाएंगे

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' को लेकर नए दिशा निर्देश जारी किए हैं, जिसके तहत वंदे मातरम को राष्ट्रगान जन-गण-मन की तरह ही सम्मान देना अनिवार्य कर दिया गया है। नए प्रोटोकॉल के तहत सभी सरकारी कार्यक्रमों में राष्ट्रगीत के सभी छह छंद बजाए या गाए जाएंगे। ऐसे में अब मुस्लिम नेता इसके विरोध में उतर आए हैं।

ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन के अध्यक्ष मौलाना साजिद रशीदी ने वंदे मातरम के सभी छंद गाने पर विरोध जताया है। उन्होंने अपने बयान में कहा कि हम सिर तो कटा सकते हैं, लेकिन राष्ट्रगीत की उन विशेष पंक्तियों (बाकी के चार छंद) का गायन नहीं करेंगे।

वंदे मातरम 1937 से ही विवाद का विषय: साजिद रशीदी

न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए राष्ट्रगान से पहले वंदे मातरम के सभी छह श्लोकों का पाठ अनिवार्य करने पर मौलाना साजिद रशीदी ने कहा कि वंदे मातरम 1937 से ही विवाद का विषय रहा है। 1937 में उस समय के प्रमुख नेताओं, जैसे अबुल कलाम आजाद और हुसैन अहमद मदानी ने कांग्रेस को पत्र लिखकर कहा था कि वंदे मातरम की कुछ पंक्तियां हमारी (मुस्लिम समुदाय की) धार्मिक आस्था के विपरीत हैं। तब कांग्रेस ने एक प्रस्ताव पारित कर वंदे मातरम से उन कुछ पंक्तियों को हटा दिया।

यह हमारी धार्मिक आस्था के विपरीत ...

उन्होंने आगे कहा कि 2016 में सर्वोच्च न्यायालय के एक फैसले में कहा गया कि यदि कोई वंदे मातरम के पाठ के दौरान खड़ा नहीं होता है, तो उसे देशद्रोही नहीं माना जाएगा। मेरा मानना है कि राष्ट्रगान की वे पंक्तियां, जिनमें देश को 'मां दुर्गा' और 'मां सरस्वती' आदि कहा गया है, हमारी धार्मिक आस्था के विपरीत हैं। मुसलमान अपनी जान दे सकते हैं, लेकिन अपनी धार्मिक आस्था से समझौता नहीं कर सकते। चाहे हमारे सिर काट दिए जाएं, हम राष्ट्रगान की उन विशेष पंक्तियों का पाठ नहीं करेंगे। यदि कोई हम पर यह आदेश थोपने का प्रयास करें, तो हम इसे सहन नहीं करेंगे। मुसलमान राष्ट्रगीत की उन विशेष पंक्तियों का पाठ नहीं करेंगे।

वारिस पठान ने जताया विरोध

वहीं AIMIM के राष्ट्रीय प्रवक्ता वारिस पठान ने कहा, 'मैं वंदे मातरम् का आदर और सम्मान करता हूं, लेकिन यह कहना कि वंदे मातरम् हमें बोलना ही पड़ेगा, यह असंवैधानिक है। भाजपा और आरएसएस यह कहती है कि अगर आपने वंदे मातरम् नहीं बोला तो आप देश विरोधी हैं। यह गलत बात है। हम राष्ट्रीय गान को खुशी-खुशी पढ़ते हैं। इन्होंने सभी मुद्दों से ध्यान भटका दिया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564